



# દુઆ ઐસે માંગો

હઝરત અકદસ  
મુફ્તી અહમદ સાહબ ખાનપૂરી  
દામત બરકાતુલુહમ

(સાબિક સદર મુફ્તી વ હાલ શેખુલ હદીથ  
જામિઅહ ઈસ્લામિયહ તઅલીમુદીન ડાભેલ)

નાશિર  
**દાહલ હમ્દ**  
ઈસ્લામિક રીસર્ચ ઇન્સ્ટીટ્યૂટ

# દુઆ

## ઐસે માંગે

હઝરત અકદસ મવલાના મુફ્તી અહમદ સાહબ  
ખાનપૂરી દામત બરકાતુલુમ  
(સાબિક સદર મુફ્તી વ હાલ શૈખુલ હદીષ  
જામિઅહ ઈસ્લામિયહ તઅ'લીમુદીન, ડાભેલ)

નાશિર

દાહલહમ્દ ઈસ્લામિક રીસર્ચ ઈન્સ્ટીટ્યુટ  
ચૂડગર મસ્જિદ, સૌદાગરવાડ, સુરત, ગુજરાત.

દુઆ એસે માંગે

તફ્ફીલાત

કિતાબ કા નામ: દુઆ એસે માંગે

નાશિર: ઠાઙ્ઠલઠઠઠ ઈસ્લામિક રીસર્ચ ઈન્સ્ટીટ્યુટ

દૂસરા એડીશન: મુહર્રમ ૧૪૪૦ મુતાબિક અકતુબર

૨૦૧૮

તીસરા એડીશન: રમઝાનુલ મુબારક ૧૪૪૨ મુતાબિક

એપ્રિલ ૨૦૨૧

મિલને કા પતા:

ઠાઙ્ઠલઠઠઠ ઈસ્લામિક રીસર્ચ ઈન્સ્ટીટ્યુટ +91 70961 76961

મૌલાના જુનેદ કાપડીયા +91 95378 60749

મૌલાના ઠાવૂઠ મેમન +91 70165 65842

મૌલાના મુસ્અબ મન્ચાર +91 70419 56899

## बिस्मिही तआला

### बनामे भुहा

❁ दुआ क्या है? इसको सही और लकीकी मअ'ने में वही समज सकता है जिसकी पूरी जिंदगी सरापा जोली झैलाना बन गया हो, जिसे यह यस्का लग गया हो के अपनी हर जरूरत अल्लाह तआला से मांगकर पूरी करे. में क्या समजूंगा; जिसे दुआ से कोई सरोकार ही नहीं? वोह क्या जानेगा जिसके पास हर काम के लिये वकत है, नहीं है तो अक भजाने की याभी हाथ में लेने का ही वकत नहीं. काश इस लइइल को और हर उम्मीती को दुआ का

જુનૂન સવાર હો જાએ કે ઈબાદત કી ઈબાદત  
 ઔર ખઝાને કી મિલકીયત ભી. કોઈ માંગકર તો  
 દેખે! ન પાએ તો કહે. માંગે તબ તો? જબ,  
 જૈસે, જહાં માંગના ચાહિયે, તબ, વૈસે, વહાં  
 માંગે. કોઈ માંગે હી નહીં ઔર સુનેહરે સપને  
 સજાએ; ઉસ સે કયા હો?

હમ તો માઈલ બ—કરમ હંચ કોઈ સાઈલ હી નહીં,  
 રાહ બતલાએં કિસે કોઈ રહરવે મંઝિલ હી નહીં.

ઈસ મજમૂએ મેં એક અનોખા જામેઅ  
 મુખ્તસર મઝમૂન હય જિસમેં દુઆ કે સબ  
 ઝરૂરી પેહલૂ પર સબ સે આસાન અંદાઝ મેં  
 રોશની ડાલી ગઈ હય, ઈસકો પળ્હના  
 ઈન્શાઅલ્લાહ બે—હદ ફાયદામંદ હોગા.

❁ દુઆ માંગને મેં આસાની હો ઈસ મકસદ સે  
 યહ દુઆ છપવાઈ જા રહી હય. અલ્લાહ કે એક  
 મકબૂલ બંદે કી દુઆ હય જિસકી પૂરી ઝિંદગી  
 હી દુઆ બન ગઈ હય. માશાઅલ્લાહ.

યહ નસીબ અલ્લાહુ અકબર લૂટને કી જગહ હય.

હમારે ઉસ્તાઝો મુશિદ, મુરબ્બી વ  
 મોહસિન હઝરત અકદસ મવલાના  
 મુફ્તી અહમદ સાહબ ખાનપૂરી દામ  
 મજદુહુમ કી યહ દુઆ શાએઅ કરને કી  
 સઆદત હાસિલ હોને પર હમ અલ્લાહ તઆલા  
 કે હુઝૂર શુક્ર બજા લાતે હંય.

اللَّهُمَّ لَا أَحْصِي ثَنَاءً عَلَيْكَ أَنْتَ  
 كَمَا أَثْنَيْتَ عَلَى نَفْسِكَ. رَبَّنَا تَقَبَّلْ مِنَّا إِنَّكَ  
 أَنْتَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ وَتُبْ عَلَيْنَا إِنَّكَ أَنْتَ  
 التَّوَّابُ الرَّحِيمُ. وَصَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى  
 خَيْرِ خَلْقِهِ سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ وَآلِهِ وَصَحْبِهِ  
 وَبَارَكَ وَسَلَّمَ تَسْلِيمًا كَثِيرًا كَثِيرًا.

— અબૂ ઝહિર સુરતી

નઝીલ મદીનહ મુનવ્વરહ

૨૫, શઅબાન ૧૪૩૭ હિજરી

૦૧/૦૬/૨૦૧૬

## બિસ્મિહી તઆલા

❁ તમામ હમ્દો સતાઈશ ઉસ પાક ઝાત કે લિયે હય જિસને ઈસ દુન્યા કો વુજૂદ બખ્શા, ઔર દુરૂદો સલામ નાઝિલ હો ઉસકે આખરી પયગમ્બર હઝરત મુહમ્મદ ❁ પર, જિન્હોને દુન્યા મેં હક કી આવાઝ કો બુલંદ કિયા.

અમ્મા બઅદ:

કુઆને પાક મેં અલ્લાહ તઆલા કા ઈરશાદ હય.

﴿أَدْعُوْنِيْ أَسْتَجِبْ لَكُمْ﴾

(તર્જમહ) મુજે પુકારો; મેં તુમ્હારી હર એક અર્ઝ કબૂલ કર લૂંગા. (સુરએ મુઅ્મિન, આયત:૬૦)



❁ दुआ, अरबी लफ्ज उय, जिसका लफ्जी मअना होता उय पुकारना, यह उम्मते मुहम्मदियह का पास अेअजाज उय के उसको दुआ मांगने का हुकम दिया गया, और उसकी कबूलियत का वअदह किया गया, और जो दुआ न मांगे उसके लिये अजाज की वईद आई उय.

❁ उजरत कअबे अहबार ﷺ से मन्कूल उय के: पेहले जमाने में यह पुसूसियत अंबिया ﷺ की थी के उनको अल्लाह तआला की तरफ से हुकम होता था के आप दुआ करें: मैं कबूल करुंगा. उम्मते मुहम्मदियह की यह पुसूसियत उय के यह हुकम तमाम उम्मत के लिये आम कर दिया गया. (ईप्ने कधीर)

नबीअे करीम ﷺ के मुबारक

ईरशादात में दुआ की बढोत इजीवतें वारिद  
हुई हंय, उनमें से नमूने के तौर पर कुछ  
ईरशादात पेश करता हूं.

(१) नबीअे करीम ﷺ का ईरशाद हय के:  
अल्लाह तआला के नजदीक दुआ से ज्यादा  
कोई चीज ईज्जतवाली नहीं. (तिरमिजी शरीफ)

(२) हुजूर ﷺ ने इरमाया: दुआ, ईबादत का  
मगल हय. (तिरमिजी शरीफ)


(३) हुजूर ﷺ ने इरमाया: जो शप्स अल्लाह  
तआला से अपनी हाजत का सवाल नहीं करता,  
अल्लाह तआला उस पर गुस्से डोता हय.

(तिरमिजी शरीफ)

(४) नबीअे करीम ﷺ ने इरमाया के: दुआ;  
मुअमीन का उथियार उय और दीन का सुतून  
और आस्मानों जमीन का नूर उय. (हाकिम)

(५) रसूलुल्लाह ﷺ ने इरमाया के: जिस शप्स  
के लिये दुआ के दरवाजे ढोल दिये गये उसके  
वास्ते रहमत के दरवाजे खुल गये.

(तिरमिजी शरीफ)

❖ आयत में ईसका वअदह उय के जो बंदह  
अल्लाह से दुआ मांगता उय वोह कबूल होती  
उय, मगर बअ'ज अवकात ईन्सान यह ली  
देषता उय के दुआ मांगी लेकिन कबूल नहीं  
हुई. ईसका जवाब अेक उदीष में उय, जो  
उजरत अबू सईद जुदरी  से मन्कूल उय के

नबीअे करीम ﷺ ने इरमाया के: मुसलमान जो  
 भी दुआ अल्लाह तआला से करता हय,  
 अल्लाह तआला उसको कबूल करता हय बशर्ते  
 के उसमें किसी गुनाह या रिश्तेदारी तोणने की  
 दुआ न की हो. और कबूल इरमाने की तीन  
 सूरतों में से कोई सूरत होती हय. अेक यह के  
 जो मांगा वही मिल गया, दुसरे यह के उसकी  
 मांगी हुई चीज के बदले उसको आभिरत का  
 कोई सवाब दे दिया गया, तीसरे यह के मांगी  
 हुई चीज तो न मिली, मगर कोई मुसीबत  
 उस पर आनेवाली थी वोह टल गई.

(मुस्नदे अहमद. तइसीर मआरिफुल कुर्आन, ७/५११, ५१२)

नबीअे करीम ﷺ ने अपने मुबारक

ईरशादात में दुआ के लिये आदाब तइसील से बतलाये हंय, जिनका भयाल रभकर दुआ करना कामयाबी की याबी हय, लेकिन अगर कोई शप्स किसी वकत इन तमाम या बअ'ज आदाब को जमअ न कर सके तो दुआ करना उरगिज न छोणे, बल्के दुआ उर डाल में झयदाभंद हय और उर डाल में अल्लाह तआला से दुआ कबूल होने की उम्मीद रभनी याहिये.

❁ उदीषों में दुआ के आदाब वारिद हुवे हंय, ईस बारे में पूरी उदीष नकल करने से रिसालड तवील होता हय, ईस लिये सिई उन उदीषों का भुलासड नकल किया जाता हय.

(१) खाने-पीने और कमाने में हुराम से बचना.

(२) ईर्ष्या के साथ दुआ करना, यअ'नी दिल से यह समझना के अल्लाह तआला के सिवा कोई हमारा मकसद पूरा नहीं कर सकता.

(३) दुआ से पहले कोई नेक काम करना और दुआ के वक्त इस तरह जिक्र करना के या अल्लाह! मैं ने आप की रिजा के लिये कुंवां अमल किया हय, आप इसकी बरकत से मेरा कुंवां काम कर दिये.

(४) पाक साफ़ हो कर दुआ करना.

(५) वुजू करना.

(६) दुआ के वक्त किष्के की तरफ़ रुभ करना.

- (७) दो जानू हो कर दुआ करना.
- (८) दुआ के अक्ल और अफिर में अक्लाड तआला की तअ'रीफ़ करना.
- (९) अक्ल और अफिर में नबीअे करीम ﷺ पर दुइए भेजना.
- (१०) दुआ के लिये दोनों हाथ इलाना.
- (११) दोनों हाथों को मूँहों के बराबर उठाना.
- (१२) अदभ और तवाजुअ (आजिजी) के साथ बेठना.
- (१३) अपनी मोडताज और आजिजी को जिक़ करना.
- (१४) दुआ के वक़्त आस्मान की तरफ़ नज़र न उठाना.

(१५) अल्लाह तआला के अस्माअे हुस्ना (अच्छे अच्छे नाम) और उथी उथी सिफ़ात को जिक्र करके दुआ करना.

(१६) अंबिया ﷺ और दुसरे मकबूल और नेक बंदों के वसीले से दुआ करना, यअ'नी यड केडना के: या अल्लाह! एन जुजुर्गों के तुझैल मेरी दुआ कबूल इरमा.

(१७) दुआ में आवाज धीमी रचना.

(१८) हुजूर ﷺ की मांगी हुई दुआओं को मांगना.

(१९) दुआ में पेडले अपने लिये दुआ करना, इर अपने मां-बाप और इर दुसरे मुसलमानों के लिये दुआ करना.



(२०) अलम के साथ दुआ करे (यअ'नी यूं न कहे: या अल्लाह! अगर याहे तो मेरा काम पूरा कर दे.)

(२१) रग़्बत और शौक के साथ दुआ करे.

(२२) भूष दिल् लगाकर दुआ करना.

(२३) अेक डी दुआ को बार बार करना.

(२४) दुआ में ँल्लाअ और ँस्सार करे.

(२५) किसी ली गुनाह की दुआ न करे.

(२६) किसी ना मुमकिन चीज की दुआ न करे.

(२७) दुआ करनेवाला ली और सुननेवाला ली अफिर में "आमीन" कहे.

(२८) दुआ के बअ'द ढोनों हाथ अपने येडरे पर डेरे.

(२८) दुआ की मकबूलियत में जल्दी न करे, यअ'नी यह न कहे के: मैं ने दुआ की थी मगर अभी तक कबूल नहीं हुई.

### दुआ के कबूल होने के पास अवकात

❁ दुआ हर वक्त कबूल हो सकती है, मगर जो अवकात नीचे लीजे जाते हैं उनमें कबूलियत की उम्मीद बण्ड जाती है, इसलिये इन अवकात को आयेअ न करना चाहिये.

❁ शब्द कद्र: रमजानुल मुबारक के आबिरी अशरह की ताक रातें, यअ'नी २१, २३, २५, २७, २८ और इनमें सब से ज्यादा सत्ताईसवीं रात काबिले अहतिमाम है.

✿ ਅਰਫ਼ੇ ਦਾ ਦਿਨ: ੮ ਜਿਲਦਿਝੜ ਦਾ ਦਿਨ ਦੁਆ ਦੀ ਕਬੂਲਿਯਤ ਦਾ ਘਾਸ ਦਿਨ ਭਯ.

✿ ਰਮਜ਼ਾਨੁਲ ਮੁਬਾਰਕ: ਰਮਜ਼ਾਨੁਲ ਮੁਬਾਰਕ ਕੇ ਤਮਾਮ ਦਿਨ ਰਾਤ, ਭਰਕਾਤੋ ਘਯਰਾਤ ਕੇ ਸਾਥ ਮਘਸੂਸ ਭਯ, ਸਭ ਮੇਂ ਦੁਆ ਕਭੂਲ ਭੋ ਜਾਤੀ ਭਯ.

✿ ਜੁਮ੍ਹਾਹ ਦੀ ਰਾਤ: ਜੁਮ੍ਹਾਹ ਦੀ ਰਾਤ ਭੀ ਨਿਭਾਯਤ ਮੁਬਾਰਕ ਔਰ ਦੁਆ ਦੀ ਕਬੂਲਿਯਤ ਕੇ ਲਿਯੇ ਘਾਸ ਭਯ.

✿ ਫ਼ਰ ਰਾਤ: ਫ਼ਰ ਰਾਤ ਮੇਂ ਉਸਕਾ ਸੁਰੁ ਕਾ ਨਿਭਾਓ ਡਿਸ਼ਸਾ, ਆਘਿਰੀ ਨਿਭਾਓ ਡਿਸ਼ਸਾ, ਆਘੀ ਰਾਤ, ਸੇਫ਼ਰੀ ਕਾ ਵਕਤ.

✿ ਜੁਮ੍ਹਾਹ ਕੇ ਦਿਨ ਔਕ ਘਾਸ ਘਣੀ: ਫ਼ਦੀਘ ਮੇਂ ਭਯ ਕੇ ਜੁਮ੍ਹਾਹ ਕੇ ਦਿਨ ਮੇਂ ਔਕ ਘਣੀ ਔਸੀ

आती है उसमें जो दुआ की जाए, वोह कबूल होती है।

❁ मगर वोह घणी कौन सी है? इस बारे में उलमा के अकवाल मुफ्तखिफ़ हंय, उसमें दो कौल मजबूत हंय:

❁ **पेहला:** ईमाम के पुत्र के लिये बेठने से ले कर ज़म्अह की नमाज़ से शरिफ़ होने तक।

❁ **दूसरा:** असर से ले कर मगरिब तक।

ईसलिये ज़रतमंद को याहिये के इन दोनों वक्तों में दुआ में मशगूल रहें, अलबत्ता ईमाम जिस वक्त पुत्रा दे रहा हो उस वक्त ज़मान से दुआ न करते हुवे सिर्फ़ दिल दिल में दुआ मांगें।

## दुआ की कबूलियत की पास हालतें

- (१) अजान के वक्त
- (२) अजान और ईकामत के दरमियान
- (३) उय्य अलस्सलाह, उय्य अलल्हलाह के  
बअ'द उस शप्स के लिये जो किसी मुसीबत में  
गिरइतार हो, उसके लिये उस हालत में दुआ  
करना बडोत आजमाया हुवा और इयदाभंद  
हय.
- (४) जिहाद में सइ बांधने का वक्त.
- (५) इर्ज नमाजों के बअ'द.
- (६) सजदल की हालत में (मगर इर्ज नमाजों  
में नहीं, और माधूर दुआ ही मांगे.)

(૭) તિલાવતે કુર્આન કે બઅ'દ (ખાસ કર ખત્મે કુર્આન પર)

(૮) ઝમઝમ કા પાની પીતે વકત.

(૯) મચ્ચિત કે પાસ હાઝિર હોને કે વકત. જો શખ્સ નઝઅ કી હાલત મેં હો ઉસકે પાસ આને કે વકત.

(૧૦) મુર્ગ કી આવાઝ કે વકત.

(૧૧) મુસલમાનોં કે ઈજિતમાઅ કે વકત.

(૧૨) ઝિક્ર કી મજલિસ મેં.

(૧૩) નમાઝ કી ઈકામત કહી જાએ ઉસ વકત.

(૧૪) બારિશ હો રહી હો ઉસ વકત.

(૧૫) બસ્તુલ્લાહ પર પેહલી નઝર પળે ઉસ વકત.

(१६) सूरअे अ-आम की आयते करीमह १२४:

﴿وَإِذَا جَاءَتْهُمْ آيَةٌ قَالُوا لَنْ نُؤْمِنَ حَتَّىٰ  
 نُؤْتَىٰ مِثْلَ مَا أُوتِيَ رُسُلُ اللَّهِ ۗ اللَّهُ أَعْلَمُ حَيْثُ  
 يَجْعَلُ رِسَالَتَهُ سَيُصِيبُ الَّذِينَ أَجْرَمُوا صَغَارٌ عِنْدَ  
 اللَّهِ وَعَذَابٌ شَدِيدٌ بِمَا كَانُوا يَمْكُرُونَ﴾

में दो वकत अल्लाह का नाम अेक साथ आया  
 हय, उनके दरमियान में दुआ मांगना.

اللَّهُمَّ صَلِّ وَسَلِّمْ

## दुआ की कबूलियत की जगहें

❁ तमाम मुबारक जगहों में दुआ की कबूलियत की ज्यादा उम्मीद है।

❁ उजरत उसन बसरी (रह.) ने मककहवालों के नाम अेक पत लिखा के मककह मुकर्रमह में पंद्रह जगहें दुआ के कबूल होने की है:-

(१) तवाह में.

(२) मुत्तजम के पास (कअबह का दरवाजह और उजरे अस्वह के दरमियान की जगह को मुत्तजम केहते हंय.)



- (૩) મીઝાબે રહમત કે પાસ.
- (૪) બચ્તુલ્લાહ કે અંદર.
- (૫) ઝમઝમ કે કૂવેં કે પાસ.
- (૬,૭) સફા ઓર મરવહ કે પહાળોં કે ઉપર.
- (૮) સઈ કે દરમિયાન.
- (૯) મકામે ઈબ્રાહીમ કે પીછે.
- (૧૦) અરફાત મેં.
- (૧૧) મુઝદલિફા મેં.
- (૧૨) મિના મેં.
- (૧૩ સે ૧૫) તીનોં જમરાત કે પાસ.

ਵੋਹ ਲੋਗ ਜਿਨਕੀ ਦੁਆ ਯਥਾਦਿ ਕਬੂਲ  
ਹੋਤੀ ਏ.

(੧) ਮੁਸੀਬਤ ਮੇਂ ਗਿਰਫ਼ਤਾਰ ਐਸਾ ਸ਼ਖ਼ਸ ਜਿਸਕੀ  
ਪਰੇਸ਼ਾਨੀ ਈਨਤਿਛਾ ਕੋ ਪਛੋਂਧ ਯੁਕੀ ਛੋ, ਜਿਸਕੋ  
ਮੁਝਤਰ ਕਛਾ ਜਾਤਾ ਏ.

(੨) ਮਝਲੂਮ, ਯਾਛੇ ਵੋਛ ਕਾਫ਼ਿਰ ਔਰ ਗੁਨੇਛਗਾਰ  
ਛੀ ਕਯੂੰ ਨ ਛੋ.

(੩) ਮਾਂ-ਭਾਪ ਕੀ ਦੁਆ, ਅਵਲਾਛ ਕੇ ਲਿਯੇ.

(੪) ਈਨਸਾਫ਼ ਕਰਨੇਵਾਲੇ ਛਾਕਿਮ ਕੀ ਦੁਆ.

(੫) ਮਾਂ-ਭਾਪ ਕੀ ਫ਼ਰਮਾਂਭਰਦਾਰ ਅਵਲਾਛ ਕੀ ਦੁਆ  
ਕਬੂਲ ਛੋਤੀ ਏ.

- (૬) મુસાફિર કી દુઆ કબૂલ હોતી હય.
- (૭) રોઝેદાર કી દુઆ, ઈફતાર કે વકત.
- (૮) ગાઈબાનહ દુઆ: એક મુસલમાન ભાઈ કી દુઆ દુસરે મુસલમાન કે લિયે.
- (૯) હાજી કી દુઆ વતન વાપસ હોતે હુવે.
- ❁ ઈસલિયે રમઝાનુલ મુબારક મેં દુઆ કી તરફ ખાસ ધ્યાન દેને કી ઝરૂરત હય, ઈસ મહીને મેં એસે બહોત સે અવકાત આતે હંય, જો દુઆ કી કબૂલિયત કે હંય. દુઆ મેં અસલ માપૂર કુર્આન ઓર હદીષ મેં આઈ હૂઈ દુઆએં હંય, ઈસલિયે દીન ઓર દુન્યા કી કોઈ હાજત એસી નહીં હય જો નબીએ પાક ﷺ ને અપની

દુઆઓં મેં માંગી ન હો, લેકિન હમ મેં બહોત  
 સે લોગ એસે હંચ જિનકો વોહ સબ દુઆઓં  
 યાદ નહીં હંચ, બઅ'ઝ લાગોં કો થોળી બહોત  
 યાદ હંચ, લેકિન વોહ મઅ'ના ન સમજને કી  
 વજહ સે જૈસા દિલ લગાકર દુઆ માંગની  
 યાહિયે વૈસા દિલ લગાકર નહીં માંગ સકતે.  
 ઈસલિયે મુનાસિબ મઅલૂમ હુવા કે કુઆન વ  
 હદીષ કો સામને રખકર ગુજરાતી મેં એક  
 દુઆઈયહ મઝમૂન તૈયાર કિયા જાએ જિસ સે  
 તમામ મુસલમાન ઝરૂરત કે વકત ફાયદા ઉઠાઓં.

— અલ્અબ્દ અહમદ ઉફૈય અન્હુ ખાનપૂરી,

જામિઅહ ઈસ્લામિયહ તઅ'લીમુદીન, ડાભેલ.

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

❁ سُبْحَانَكَ اللَّهُمَّ وَبِحَمْدِكَ وَتَبَارَكَ

اسْمُكَ وَتَعَالَى جَدُّكَ وَلَا إِلَهَ غَيْرُكَ.

❁ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ الْأَحَدُ الصَّمَدُ الَّذِي لَمْ يَلِدْ

وَلَمْ يُولَدْ وَلَمْ يَكُنْ لَهُ كُفُوًا أَحَدٌ.

❁ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ الْحَنَّانُ الْمَنَّانُ بَدِيعُ

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ذُو الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ.

❁ اللَّهُمَّ لَكَ الْحَمْدُ كُلُّهُ ، وَلَكَ الشُّكْرُ كُلُّهُ ،

وَلَكَ الْمُلْكُ كُلُّهُ ، وَالْيَقِينُ يَرْجِعُ الْأَمْرُ كُلُّهُ.

اللَّهُمَّ لَا أَحْصِي ثَنَاءً عَلَيْكَ أَنْتَ كَمَا  
أَثْنَيْتَ عَلَيَّ نَفْسِكَ.

اللَّهُمَّ لَكَ الْحَمْدُ حَمْدًا دَائِمًا مَعَ  
دَوَامِكَ، وَلَكَ الْحَمْدُ حَمْدًا خَالِدًا مَعَ  
خُلُودِكَ، وَلَكَ الْحَمْدُ حَمْدًا لَا مُنْتَهَى لَهُ  
دُونَ مَشِيئَتِكَ، وَلَكَ الْحَمْدُ حَمْدًا لَا يُرِيدُ  
قَائِلُهُ إِلَّا رِضَاكَ، وَلَكَ الْحَمْدُ حَمْدًا عِنْدَ  
كُلِّ طَرْفَةِ عَيْنٍ وَتَنْفُسٍ كُلِّ نَفْسٍ.

اللَّهُمَّ يَا عَلِيمُ ، يَا حَلِيمُ ، يَا كَرِيمُ ،  
يَا رَحِيمُ.

اللَّهُمَّ يَا كَبِيرُ ، يَا سَمِيعُ ، يَا بَصِيرُ ، يَا مَنْ  
 لَا شَرِيكَ لَهُ وَلَا وَزِيرَ لَهُ ، وَيَا خَالِقَ الشَّمْسِ  
 وَالْقَمَرِ الْمُنِيرِ ، وَيَا عِصْمَةَ الْبَائِسِ الْخَائِفِ  
 الْمُسْتَجِيرِ ، وَيَا رَازِقَ الطِّفْلِ الصَّغِيرِ ،  
 وَيَا جَابِرَ الْعَظْمِ الْكَسِيرِ ، أَدْعُوكَ دُعَاءَ  
 الْبَائِسِ الْفَقِيرِ ، كَدُعَاءِ الْمُضْطَّرِّ الضَّرِيرِ ،  
 دُعَاءَ مَنْ خَضَعَتْ لَكَ رَقَبَتُهُ ، وَفَاضَتْ  
 لَكَ عَبْرَتُهُ ، وَذَلَّ لَكَ جِسْمُهُ ، وَرَغِمَ لَكَ  
 أَنْفُهُ .

اللَّهُمَّ لَا تَجْعَلْنَا بِدُعَائِكَ رَبَّنَا شَقِيًّا ، وَكُنْ


لَنَا رَوْوْفَارْحِيْمًا.


❁ اَللّٰهُمَّ يَا مُؤْنَسَ كُلِّ وَحِيْدٍ ، وَيَا صَاحِبَ  
كُلِّ فَرِيْدٍ ، وَيَا قَرِيْبًا غَيْرَ بَعِيْدٍ ، وَيَا شَهِدًا  
غَيْرَ غَائِبٍ ، وَيَا غَالِبًا غَيْرَ مَغْلُوْبٍ ، يَا حَيُّ  
يَا قَيُّوْمُ ، يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ .


❁ يَا نُوْرَ السَّمَوَاتِ وَالْاَرْضِ ، يَا زَيْنَ  
السَّمَوَاتِ وَالْاَرْضِ ، يَا جَبَّارَ السَّمَوَاتِ  
وَالْاَرْضِ ، يَا عِمَادَ السَّمَوَاتِ وَالْاَرْضِ يَا  
بَدِيْعَ السَّمَوَاتِ وَالْاَرْضِ ، يَا قَيَّامَ السَّمَوَاتِ  
وَالْاَرْضِ ، يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْاِكْرَامِ .



يَا صَرِيحَ الْمُسْتَصْرِخِينَ، وَمُنْتَهَى  
 الْعَائِدِينَ، وَالْمَفْرَجِ عَنِ الْمَكْرُوبِينَ،  
 وَالْمُرَوِّحِ عَنِ الْمَغْمُومِينَ، وَمُجِيبَ دَعَاءِ  
 الْمُضْطَرِّينَ، وَيَا كَاشِفَ الْكُرْبِ، يَا إِلَهَ  
 الْعَلَمِينَ، وَيَا أَرْحَمَ الرَّاحِمِينَ، يَا أَرْحَمَ  
 الرَّاحِمِينَ، يَا أَرْحَمَ الرَّاحِمِينَ.  
 اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْحَيُّ الْقَيُّومُ، وَعَنْتِ  
 الْوُجُوهُ لِلْحَيِّ الْقَيُّومِ.  
 لَا إِلَهَ إِلَّا أَنْتَ سُبْحَانَكَ إِنِّي كُنْتُ مِنَ  
 الظَّالِمِينَ.

 اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ  
 وَعَلَى آلِ سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ كَمَا صَلَّيْتَ  
 عَلَى سَيِّدِنَا إِبْرَاهِيمَ وَعَلَى آلِ سَيِّدِنَا  
 إِبْرَاهِيمَ، إِنَّكَ حَمِيدٌ مُجِيدٌ.

 اللَّهُمَّ بَارِكْ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ  
 وَعَلَى آلِ سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ كَمَا بَارَكْتَ  
 عَلَى سَيِّدِنَا إِبْرَاهِيمَ وَعَلَى آلِ سَيِّدِنَا  
 إِبْرَاهِيمَ، إِنَّكَ حَمِيدٌ مُجِيدٌ.

 اللَّهُمَّ صَلِّ صَلَاةً كَامِلَةً وَ سَلِّمْ سَلَامًا  
 تَامًا عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ، تَنْحَلْ بِهِ

الْعُدَّة، وَتَنْفِرُجُ بِهِ الْكُرْبُ، وَتُقْضَى بِهِ  
 الْحَوَائِجُ، وَتُنَالُ بِهِ الرَّغَائِبُ، وَحُسْنُ  
 الْحَوَاتِيمِ، وَيُسْتَسْقَى الْعَمَامُ بِوَجْهِهِ  
 الْكَرِيمِ، وَعَلَى آلِهِ وَصَحْبِهِ فِي كُلِّ لَمْحَةٍ  
 وَنَفْسٍ بَعْدَ كُلِّ مَعْلُومٍ لَكَ.

❁ اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ  
 وَعَلَى آلِ سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ صَلَوةً تُنَجِّينَا  
 بِهَا مِنْ جَمِيعِ الْأَهْوَالِ وَالْآفَاتِ، وَتَقْضِي  
 لَنَا بِهَا جَمِيعَ الْحَاجَاتِ، وَتُطَهِّرُنَا بِهَا مِنْ  
 جَمِيعِ السَّيِّئَاتِ، وَتَرْفَعُنَا بِهَا عِنْدَكَ أَعْلَى

الدَّرَجَاتِ، وَتُبَلِّغُنَا بِهَا أَقْصَى الْغَايَاتِ مِنْ  
جَمِيعِ الْخَيْرَاتِ فِي الْحَيَاةِ وَبَعْدَ الْمَمَاتِ،  
إِنَّكَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ.

❁ اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ  
وَعَلَى آلِ سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ كَمَا تُحِبُّ  
وَتَرْضَى بَعْدَ مَا تُحِبُّ وَتَرْضَى.

❁ اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ  
وَعَلَى آلِ سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ طِبِّ الْقُلُوبِ  
وَ دَوَائِهَا، وَنُورِ الْأَبْصَارِ وَضِيَائِهَا، وَصِحَّةِ  
الْأَبْدَانِ وَشِفَائِهَا.

يَارِبِّ صَلِّ وَسَلِّمْ دَائِمًا أَبَدًا  
عَلَى حَبِيبِكَ خَيْرِ الْخَلْقِ كُلِّهِمْ

❁ رَبَّنَا ظَلَمْنَا أَنْفُسَنَا، وَإِنْ لَمْ تَغْفِرْ لَنَا  
وَتَرْحَمْنَا لَنَكُونَنَّ مِنَ الْخٰسِرِينَ .

❁ رَبَّنَا آتِنَا فِي الدُّنْيَا حَسَنَةً وَفِي الْآخِرَةِ  
حَسَنَةً وَوَقِنَا عَذَابَ النَّارِ .

❁ رَبَّنَا لَا تَزِغْ قُلُوبَنَا بَعْدَ إِذْ هَدَيْتَنَا،  
وَهَبْ لَنَا مِنْ لَدُنْكَ رَحْمَةً، إِنَّكَ أَنْتَ  
الْوَهَّابُ .

❁ رَبَّنَا لَا تُؤَاخِذْنَا إِنْ نَسِينَا أَوْ أَخْطَأْنَا،

رَبَّنَا وَلَا تَحْمِلْ عَلَيْنَا إِصْرًا كَمَا حَمَلْتَهُ  
عَلَى الَّذِينَ مِنْ قَبْلِنَا، رَبَّنَا وَلَا تَحْمِلْنَا مَا  
لَا طَاقَةَ لَنَا بِهِ، وَاعْفُ عَنَّا، وَاعْفِرْلَنَا،  
وَارْحَمْنَا، أَنْتَ مَوْلَانَا، فَانصُرْنَا عَلَى الْقَوْمِ  
الْكُفْرِينَ.

❁ رَبَّنَا اغْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا وَإِسْرَافَنَا فِي أَمْرِنَا  
وَتَّبِعْ أَقْدَامَنَا وَانصُرْنَا عَلَى الْقَوْمِ  
الْكُفْرِينَ.

❁ رَبَّنَا اغْفِرْ لَنَا وَلِإِخْوَانِنَا الَّذِينَ سَبَقُونَا  
بِالْإِيمَانِ، وَلَا تَجْعَلْ فِي قُلُوبِنَا غِلًّا لِلَّذِينَ

أَمْنُوا رَبَّنَا إِنَّكَ رَعُوفٌ رَحِيمٌ.

❁ رَبَّنَا اصْرِفْ عَنَّا عَذَابَ جَهَنَّمَ، إِنَّ

عَذَابَهَا كَانَ غَرَامًا، إِنَّهَا سَاءَتْ مُسْتَقَرًّا

وَمَقَامًا.

❁ رَبَّنَا إِنَّكَ جَامِعُ النَّاسِ لِيَوْمٍ لَا رَيْبَ

فِيهِ، إِنَّ اللَّهَ لَا يُخْلِفُ الْمِيعَادَ.

❁ رَبَّنَا هَبْ لَنَا مِنْ أَزْوَاجِنَا وَذُرِّيَّتِنَا قُرَّةَ

أَعْيُنٍ وَاجْعَلْنَا لِلْمُتَّقِينَ إِمَامًا.

❁ رَبِّ اجْعَلْنِي مُقِيمَ الصَّلَاةِ وَمِنْ ذُرِّيَّتِي،

رَبَّنَا وَتَقَبَّلْ دُعَاءِ، رَبَّنَا اغْفِرْ لِي وَلِوَالِدَيَّ

وَلِلْمُؤْمِنِينَ يَوْمَ يَقُومُ الْحِسَابُ.

❁ رَبِّ ارْحَمْهُمَا كَمَا رَبَّيْنِي صَغِيرًا.

❁ رَبِّ زِدْنِي عِلْمًا.

❁ رَبِّ اغْفِرْ وَارْحَمْ وَأَنْتَ خَيْرُ الرَّحِيمِينَ.

❁ اللَّهُمَّ اغْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا كُلَّهَا، دِقَّهَا

وَجِلَّهَا، عَلَانِيَتَهَا وَسِرَّهَا، أَوْلَهَا وَآخِرَهَا،

ظَاهِرَهَا وَبَاطِنَهَا.

❁ اللَّهُمَّ إِنَّا نَتُوبُ إِلَيْكَ مِنَ الْمَعَاصِي كُلِّهَا

لَا نَرْجِعُ إِلَيْهَا أَبَدًا.

❁ اللَّهُمَّ مَغْفِرَتِكَ أَوْسَعُ مِنْ ذُنُوبِنَا،



وَرَحْمَتِكَ أَرْجَى عِنْدَنَا مِنْ أَعْمَالِنَا.

❁ اللَّهُمَّ إِنَّكَ عَفُوٌّ كَرِيمٌ رَحِيمٌ تُحِبُّ  
الْعَفْوَ، فَاعْفُ عَنَّا يَا كَرِيمٌ.

❁ اللَّهُمَّ إِنَّا نَسْأَلُكَ رِضَاكَ وَالْجَنَّةَ، وَنَعُوذُ  
بِكَ مِنْ سَخَطِكَ وَغَضَبِكَ وَالنَّارِ.

❁ اللَّهُمَّ أَعْتِقْ رِقَابَنَا وَرِقَابَ آبَائِنَا  
وَأُمَّهَاتِنَا، وَرِقَابَ جَمِيعِ أُمَّةِ مُحَمَّدٍ ﷺ مِنْ  
النَّارِ.

❁ اللَّهُمَّ حَبِّبْ إِلَيْنَا الْإِيمَانَ ، وَزَيِّنْهُ فِي  
قُلُوبِنَا، وَكَرِّهْ إِلَيْنَا الْكُفْرَ وَالْفُسُوقَ

وَالْعِصْيَانَ، وَاجْعَلْنَا مِنَ الرَّاشِدِينَ.

❁ اللَّهُمَّ اعْطِ نُفُوسَنَا تَقْوَاهَا ، وَزَكَّاهَا

فَإِنَّتَ خَيْرٌ مِّنْ زَكَّاهَا أَنْتَ وَلِيِّهَا وَمَوْلَاهَا.

❁ اللَّهُمَّ إِنَّ قُلُوبَنَا وَنَوَاصِينَا وَجَوَارِحَنَا

بِيَدِكَ، لَمْ تُمَلِّكْنَا مِنْهَا شَيْئًا، فَإِذَا فَعَلْتَ

ذَلِكَ بِنَا، فَكُنْ أَنْتَ وَلِيِّنَا، وَاهْدِنَا إِلَى

سَوَاءِ السَّبِيلِ.

❁ اللَّهُمَّ وَفَّقْنَا لِمَا تُحِبُّ وَ تَرْضَى مِنْ

الْقَوْلِ وَالْعَمَلِ وَالْفِعْلِ وَالنِّيَّةِ وَالْهُدَى.

❁ اللَّهُمَّ اجْعَلْنَا هَادِينَ مُهْتَدِينَ، غَيْرَ

ضَالِّينَ وَلَا مُضِلِّينَ، سَلَامًا لِّأَوْلِيَآئِكَ،  
وَحَرْبًا لِأَعْدَائِكَ، نُحِبُّ بِحُبِّكَ مَنْ أَحَبَّكَ،  
وَنُعَادِي بِعِدَاوَتِكَ مَنْ خَالَفَكَ مِنْ  
خَلْقِكَ.

❁ اللَّهُمَّ طَهِّرْ قَلْبِي مِنَ التَّفَاقِ، وَعَمَلِي  
مِنَ الرِّيَاءِ، وَلِسَانِي مِنَ الكِذْبِ، وَعَيْنِي  
مِنَ الخِيَانَةِ، فَإِنَّكَ تَعْلَمُ خَائِنَةَ الْأَعْيُنِ  
وَمَا تُخْفِي الصُّدُورَ.

❁ اللَّهُمَّ أَغْنِنَا بِالْعِلْمِ، وَزَيَّنَّا بِالْحِلْمِ،  
وَأَكْرِمْنَا بِالتَّقْوَى، وَجَمَّلْنَا بِالْعَافِيَةِ.

اللَّهُمَّ إِنَّا نَسْأَلُكَ الْهُدَى وَالتَّقَى  
وَالْعَفَافَ وَالْغِنَى.

اللَّهُمَّ إِنَّا نَسْأَلُكَ عِلْمًا نَافِعًا ، وَرِزْقًا  
وَاسِعًا حَلَالًا طَيِّبًا ، وَشِفَاءً مِّنْ كُلِّ دَاءٍ .

اللَّهُمَّ إِنَّا نَسْأَلُكَ الصَّحَّةَ ، وَالْعِفَّةَ ،  
وَالْأَمَانَةَ ، وَحُسْنَ الْخُلُقِ ، وَالرِّضَاءَ بِالْقَدْرِ .  
اللَّهُمَّ لَاسَهْلَ إِلَّا مَا جَعَلْتَهُ سَهْلًا ، وَأَنْتَ  
تَجْعَلُ الْحَزْنَ سَهْلًا إِذَا شِئْتَ .

لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ الْحَلِيمُ الْكَرِيمُ ، سُبْحَانَ  
اللَّهِ رَبِّ الْعَرْشِ الْعَظِيمِ ، وَالْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ

الْعَلَمِينَ، أَسْأَلُكَ مُوجِبَاتِ رَحْمَتِكَ  
وَعَزَائِمَ مَغْفِرَتِكَ، وَالْعِصْمَةَ مِنْ كُلِّ ذَنْبٍ،  
وَالْغَنِيمَةَ مِنْ كُلِّ بَرٍّ، وَالسَّلَامَةَ مِنْ كُلِّ  
إِثْمٍ لَاتَدْعُ لَنَا ذَنْبًا إِلَّا غَفَرْتَهُ، وَلَا هَمًّا  
إِلَّا فَرَجْتَهُ، وَلَا ضُرًّا إِلَّا كَشَفْتَهُ، وَلَا حَاجَةً  
هِيَ لَكَ رِضًا إِلَّا قَضَيْتَهَا، يَا أَرْحَمَ  
الرَّاحِمِينَ.

❁ اللَّهُمَّ إِنَّا نَعُوذُ بِكَ مِنْ جُهِدِ الْبَلَاءِ،  
وَدَرِكِ الشَّقَاءِ وَسُوءِ الْقَضَاءِ، وَشَمَاتَةِ  
الْأَعْدَاءِ.

❁ اللَّهُمَّ إِنَّا نَعُوذُ بِكَ مِنْ زَوَالِ نِعْمَتِكَ  
وَتَحَوُّلِ عَافِيَتِكَ، وَفُجَاءَةِ نِقْمَتِكَ، وَجَمِيعِ  
سَخَطِكَ.

❁ اللَّهُمَّ آتِنِي أَفْضَلَ مَا تُؤْتِي عِبَادَكَ  
الصَّالِحِينَ.

❁ اللَّهُمَّ لَا تَنْزِعْ مِنَّا صَالِحَ مَا أَعْطَيْتَنَا.  
❁ اللَّهُمَّ وَاقِيَةٌ كَوَاقِيَةِ الْوَلِيدِ. اللَّهُمَّ وَاقِيَةٌ  
كَوَاقِيَةِ الْوَلِيدِ. اللَّهُمَّ وَاقِيَةٌ كَوَاقِيَةِ الْوَلِيدِ.  
❁ اللَّهُمَّ إِنَّا نَسْأَلُكَ حُبَّكَ وَ حُبَّ مَنْ  
يُحِبُّكَ، وَ حُبَّ عَمَلٍ يُبَلِّغُنَا حُبَّكَ .

❁ اللَّهُمَّ اجْعَلْ حُبَّكَ أَحَبَّ الْأَشْيَاءِ إِلَيَّ،

وَاجْعَلْ خَشْيَتَكَ أَخَوْفَ الْأَشْيَاءِ عِنْدِي،  
 واقطع عني حاجات الدنيا بالشوق إلى  
 لقائك، وإذا أقررت أعين أهل الدنيا من  
 دنياهم، فأقر عيني من عبادتك.

❁ اللَّهُمَّ اعِنِّي عَلَى دِينِي بِالدُّنْيَا، وَعَلَى  
 آخِرَتِي بِالتَّقْوَى.

❁ اللَّهُمَّ أَصْلِحْ لِي دِينِي الَّذِي هُوَ عِصْمَةُ  
 أَمْرِي، وَأَصْلِحْ لِي دُنْيَايَ الَّتِي فِيهَا  
 مَعَاشِي، وَأَصْلِحْ لِي آخِرَتِي الَّتِي إِلَيْهَا  
 مَعَادِي، وَاجْعَلِ الْحَيَاةَ زِيَادَةً لِي فِي كُلِّ  
 خَيْرٍ، وَاجْعَلِ الْمَوْتَ رَاحَةً لِي مِنْ كُلِّ شَرٍّ.

اللَّهُمَّ مَتِّعْنَا بِأَسْمَاعِنَا، وَأَبْصَارِنَا،  
 وَقُوَّتِنَا مَا أَحْيَيْتَنَا، اللَّهُمَّ اجْعَلْهُ الْوَارِثَ  
 مِنَّا، اللَّهُمَّ اجْعَلْ ثَأْرَنَا عَلَى مَنْ ظَلَمْنَا،  
 اللَّهُمَّ انصُرْنَا عَلَى مَنْ عَادَانَا، وَلَا تَجْعَلْ  
 مُصِيبَتَنَا فِي دِينِنَا، وَلَا تَجْعَلِ الدُّنْيَا أَكْبَرَ  
 هَمِّنَا، وَلَا مَبْلَغَ عِلْمِنَا، وَلَا تُسَلِّطْ عَلَيْنَا  
 مَنْ لَا يَخَافُكَ وَلَا يَرْحَمُنَا.

اللَّهُمَّ زِدْنَا وَلَا تَنْقُصْنَا، وَأَكْرِمْنَا  
 وَلَا تُهِنَّا، وَأَعْطِنَا وَلَا تَحْرِمْنَا، وَآثِرْنَا وَلَا  
 تُؤْثِرْ عَلَيْنَا، وَأَرْضِنَا عَنكَ وَارِضْ عَنَّا.



اللَّهُمَّ اهْمِنَا رَشَدَنَا، وَاعِدْنَا مِنْ شُرُورِ  
أَنْفُسِنَا.

اللَّهُمَّ بَارِكْ لَنَا فِي الْمَوْتِ وَفِيمَا بَعْدَ  
الْمَوْتِ.

اللَّهُمَّ اهْدِنَا فِيمَنْ هَدَيْتَ، وَعَافِنَا فِيمَنْ  
عَافَيْتَ، وَتَوَلَّنَا فِيمَنْ تَوَلَّيْتَ، وَبَارِكْ لَنَا  
فِيمَا أَعْطَيْتَ، وَقِنَا شَرَّ مَا قَضَيْتَ، فَإِنَّكَ  
تَقْضِي وَلَا يُقْضَى عَلَيْكَ، إِنَّهُ لَا يَذِلُّ مَنْ  
وَالَيْتَ، وَلَا يَعْزُّ مَنْ عَادَيْتَ، تَبَارَكْتَ رَبَّنَا

وَتَعَالَيْتَ، دَسْتَغْفِرُكَ وَنَتُوبُ إِلَيْكَ، وَصَلَّى  
اللَّهُ عَلَى النَّبِيِّ الْكَرِيمِ.

❁ اللَّهُمَّ اغْفِرْ لَنَا وَلِلْمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنَاتِ،  
وَالْمُسْلِمِينَ وَالْمُسْلِمَاتِ، وَالْأَفْ بَيْنَ  
قُلُوبِهِمْ، وَأَصْلِحْ ذَاتَ بَيْنِهِمْ، وَانصُرْهُمْ  
عَلَى عَدُوِّكَ وَعَدُوِّهِمْ. اللَّهُمَّ الْعَنِ الْكُفْرَةَ  
الَّذِينَ يَصُدُّونَ عَن سَبِيلِكَ، وَيُكَذِّبُونَ  
رُسُلَكَ، وَيَقَاتِلُونَ أَوْلِيَاءَكَ، اللَّهُمَّ خَالَفَ  
بَيْنَ كَلِمَتِهِمْ، وَزَلَزَلْ أَقْدَامَهُمْ، وَشَتَّتْ  
شَمْلَهُمْ، وَفَرَّقْ جَمْعَهُمْ، وَأَنْزِلْ بِهِمْ بِأَسْكَ

الَّذِي لَا تُرَدُّهُ عَنِ الْقَوْمِ الْمُجْرِمِينَ.  
 ❁ اللَّهُمَّ إِنَّا نَجْعَلُكَ فِي نُحُورِهِمْ وَنَعُوذُ بِكَ  
 مِنْ شُرُورِهِمْ. اللَّهُمَّ اكْفِنَاهُمْ بِمَا شِئْتَ.  
 ❁ اللَّهُمَّ ارْفَعْ عَنَّا الْقَحْطَ وَالْغَلَاءَ،  
 وَالْجُورَ وَالْفِتْنَ وَالْوَبَاءَ، وَسَائِرَ أَنْوَاعِ  
 الْبَلَاءِ، مِنْ بِلَادِنَا خَاصَّةً، وَمِنْ بِلَادِ  
 الْمُسْلِمِينَ عَامَّةً.  
 ❁ اللَّهُمَّ ارْفَعْ عَنَّا شَرَّ الطَّاعِنِينَ،  
 وَالْبَاغِينَ، وَالظَّالِمِينَ، وَالْمُعْتَدِينَ بِمَا  
 شِئْتَ وَكَيْفَ شِئْتَ، عَاجِلًا غَيْرَ آجِلٍ، فِي

لُطْفٍ وَعَافِيَةٍ.

❁ اللَّهُمَّ إِنَّا نَسْأَلُكَ مِنْ خَيْرِ مَا سَأَلْنَاكَ

مِنْهُ نَبِيِّكَ مُحَمَّدٍ ﷺ، وَنَعُوذُ بِكَ مِنْ شَرِّ مَا

اسْتَعَاذَكَ مِنْهُ نَبِيِّكَ مُحَمَّدٍ ﷺ، وَأَنْتَ

الْمُسْتَعَانُ وَعَلَيْكَ الْبَلَاغُ وَلَا حَوْلَ وَلَا

قُوَّةَ إِلَّا بِاللَّهِ الْعَلِيِّ الْعَظِيمِ.

❁ اللَّهُمَّ اغْفِرْ لِأُمَّةِ مُحَمَّدٍ ﷺ.

❁ اللَّهُمَّ ارْحَمْ أُمَّةَ مُحَمَّدٍ ﷺ.

❁ اللَّهُمَّ تَجَاوَزْ عَنْ سَيِّئَاتِ أُمَّةِ مُحَمَّدٍ ﷺ.

❁ اللَّهُمَّ أَصْلِحْ أُمَّةَ مُحَمَّدٍ ﷺ.

اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى مُحَمَّدٍ وَعَلَى آلِ مُحَمَّدٍ  
وَبَارِكْ وَسَلِّمْ

## बिस्मील्लाहिर्रहमानिर्रहीम

❁ अय अल्लाह! हमारे गुनाहों को मुआफ़  
 इरमा. हमारी ખताओं से दरगुजर इरमा.  
 अय अल्लाह! हम गुनेहगार हूँ, ખताकार  
 हूँ, कुसूरवार हूँ. अय अल्लाह! आज तक  
 की सारी ज़िंदगी तेरी नाइरमानीयों में गुजर  
 दी. जिन कामों को करने का तूने हुकम दिया,  
 उनको बज्ज नहीं लाये. और जिन चीज़ों से  
 मना इरमाया, उनही को करते रहे. अय  
 अल्लाह! गुनाह कर कर के लज्जतें हासिल  
 करते रहे, और तेरा रिजक भा-भा कर तेरा  
 मुकाबला करते रहे. हमारे जिस्म का वोह

कौनसा उजव डय, जिसको डमने गुनाड में  
 ईस्तेअ'माल न किया डो. और दिन रात की  
 वोड कौन सी घणी डय, जिसमें डमने गुनाड  
 न किया डो.

❁ अय अल्लाड! डम तो रात की अंधेरियों  
 में और दिन के उजालों में, तन्हाई में और  
 भुले आम गुनाड करते रहें. अय अल्लाड!  
 जिस्म के डर डर उजव को तेरी नाइरमानियों  
 में ईस्तेअ'माल किया डय. आंभों के जरीअे  
 बढ नजरियां करते रहे. अपने कानों से गलत  
 चीजें सुनते रहे. जभान को केंची की तरड  
 गुनाडों में ईस्तेअ'माल करते रहे. दिलो

द्विभाग से गुनाहों के प्लान बनाते रहे. हाथ और पाँव को गुनाहों में धस्तेअ'भाव करते रहे. अय अल्लाह! हम तो बणे मुजरिम हंय.

❁ अय अल्लाह! हम तो गुनाहों के आदी बन चुके हंय, और हमें तो गुनाहों की आदतें पण चुकी हंय, गुनाह किये बगैर हमें तो चैन ही नहीं आता. अय अल्लाह! तू आझियत के साथ सब गुनाहों की आदतें छुणा दे.

❁ अय अल्लाह! तुजे तो मुआझी बडोत पसंद हय. जब कोई बंदह तुजसे अपने गुनाहों की मुआझी याहता हय, तो तू भुश डो कर झरिश्तों से केहता हय के मेरा यड



બંદહ જાનતા હય કે ઈસકે ગુનાહોં કો મેરે  
 અલાવહ કોઈ મુઆફ નહીં કર સકતા. અય  
 અરહમુર્રહીમીન! યકીનન હમારે ગુનાહોં કો તેરે  
 અલાવહ મુઆફ કરનેવાલા ઓર કોઈ નહીં  
 હય.

❁ અય અલ્લાહ! અગર તૂને હમારી  
 મગફિરત નહીં ફરમાઈ તો હમારા કોઈ ઠિકાના  
 ન રહેગા.

મૌલા! મુઆફ કર દે. મૌલા! મુઆફ કર દે.

❁ અય અલ્લાહ! હમને દેખા હય કે જબ  
 કોઈ ભિકારી કિસી સખી કે સામને માંગતા  
 હય, ઓર વોહ ઉસકે લાઈક નહીં હોતા કે

ઉસકો દિયા જાએ, ફિર ભી સખી ઉસકો ખાલી  
હાથ લૌટાતે હુએ શર્મો હયા મહસૂસ કરતા  
હય ઓર દે દિયા કરતા હય. અય અલ્લાહ!

તૂ તો હયાવાલા હય, તેરે હબીબ ને તો હમેં  
ખબર દી હય કે તેરે સામને જબ હાથ ઉઠાએ  
જાતે હંય, તો ઉનકો ખાલી લૌટાતે હુએ તુજે  
શર્મ આતી હય. અય અલ્લાહ! તૂ હમેં નવાઝ  
દે. હમ પર અપના ખુસૂસી ફઝલ ફરમા દે.

❁ અય અલ્લાહ! હમારી ઝિંદગીયોં મેં  
અચ્છા બદલાવ પૈદા ફરમા દે. તેરી  
નાફરમાનીયોંવાલી ઝિંદગી સે નજાત અતા  
ફરમાકર, તેરી ઈતાઅત વ ફરમાંબરદારીવાલી

जिंदगी अता इरमा. गुनाहोंवाली जिंदगी से सखी पक्की तौबा अता इरमाकर, नेकीयोंवाली जिंदगी अता इरमा दे. गुनाहों से नजात अता इरमाकर एबादात की तौईक अता इरमा दे. उर छोटे बणे गुनाह से उमारी पूरी-पूरी डिहाजत इरमा.

❁ अय अल्लाह! तू उमारी मगफिरत इरमा, उमारे वालिदैन की मगफिरत इरमा, उमारे बीवी बख्यों की मगफिरत इरमा, उमारे भाईयों बेडनों और उनकी अवलाह, अवलाह की अवलाह, उमारे रिश्तेदारों उमारे असातिजह व मशाएँ, उमारे दोस्त व अडबाब, अहसान करनेवाले, तअ'द्लुक

रखनेवाले, ईप्सासवाले, मुहब्बत करनेवाले, और जिन्होंने हमें दुआओं के लिये कडा या लिप्प्मा, या जो हमसे दुआओं की उम्मीद रखते हंय, या जिनके हमारे उपर हुक्क हंय, और तमाम मुअमिन मर्द और औरतें, पूरी उम्मत मुहम्मदियह ﷺ की लरपूर मगफ़िरत इरमा.

✽ अय अल्लाह! तू हमारे छोटे और बणे, ખુल्लम ખुल्ला और छुपे हुवे, अगले और पिछले; सारे गुनाहों को मुआफ़ इरमा. हमारी बुराईयों को नेकीयों से बदल दे. अय अल्लाह! हमें तेरी रजामंदी के कामों पर जयादह से जयादह यलाकर, नाराजगीवाले कामों से हमारी

पूरी-पूरी डिझाजत इरमा.

❁ अय अल्लाह! नईस और शयतान की शरारतों से हमें मलझूज इरमा दे. हम तो बडोत याडते हंय के हर घणी तेरी इरमांबरदारी में लगे रहें, और अक सेकन्ड के लिये भी तेरी नाइरमानी में न पणें, लेकिन यह दोनों दुश्मन हमारे पीछे लगे हुअे हंय, यह दोनों हम पर गालिब आ जाते हंय और हमें गुनाहों में इंसा देते हंय. अय अल्लाह! इन दोनों के मुकाबले में तू हमारी भरपूर मदद इरमा. इनके बिलाइ हमें ताकत अता इरमा दे. अय अल्लाह! हम याहें या न याहें, हमारी पेशानियां पकण-पकणकर तू

उमसे अपनी इरमांवरदारी करवा ले.

❁ अय अल्लाह! गुनाहों की नफ़रत, और नेकीयों का शौक उमारे दिलों के अंदर डाल दे.

❁ नबीअे करीम ﷺ की सुन्नतों और तरीकों को अपनी जिंदगी के हर शोअ'बे में अपना ने की तौहीक व सआदत अता इरमा.

हुजूरे अकरम ﷺ के तरीकों की मुहब्बत, और गैरों के तरीकों की नफ़रत उमारे दिलों के अंदर डाल दे. नेक अअ'माल पर उमें पाबंदी अता इरमा. अय अल्लाह! उमारी जिंदगी के हर सेकन्द को सुन्नत के मुताबिक गुजारने की तौहीक अता इरमा. अय अल्लाह! सुन्नत ही के उपर उमें जिंदह रण, और सुन्नत ही के

उपर उमें मौत अता इरमा. अय अल्लाह!  
सुन्नत के साथ उमें ईशक और मुहब्बत अता  
इरमा.

❁ अय अल्लाह! तमाम गंदगीयों से उमें  
पाक व साइ इरमा. कूड़ी शिक से, बढबन्ती  
से, निझक से, उजब से, किब्र से, जुद बीनी  
व जुद पसंदी से, जुबल से, शुहल (लालय)  
से, शहवत से, गजब से, जुगल व कीनल से,  
उसद से, रिया व सुम्बल (दिबावे) से, डिर्सो  
तमअ (लालय) से, सवाल व ईशरई नइस  
(दिल के सवाल) से, दुन्या की, माल की,  
जाल की मुहब्बत से, और तमाम गंदगीयों से  
उमको पाक और साइ इरमा. अय अल्लाह!

उमारे दिल तो बणे गंदे हंय, सारी गंदगीयां  
 भरी पणी हंय, अय अल्लाह! तू अपनी शान  
 से उमारे दिलों को पाक और साफ़ इरमा दे.

❁ अय अल्लाह! उमें अच्छे अफ्लाक से  
 संवार दे. ईमान व यकीन से, ईस्लाम व  
 ताअ'त से, तकवा व तहारत से, ईज्वास व  
 खिल्वाडियत से, जुहदो वरअ (परहेजगारी)  
 से, तस्वीमो रजा से, सध्रो शुक्र से, ईइफ्त व  
 ईस्मत से, जूदो सभा से, तवाजुअ व  
 ईन्किसारी से, तेरी जाते आली पर कमावे  
 यकीन व तवक्कुल और ऐअ'तिमाह की सिफाते  
 उसना से उमें संवार दे.

❁ अय अल्लाह! तेरी पेहयान और



मुहब्बत के अन्वार से हमारे दिलों को मुनव्वर इरमा. तेरी याद से हमारे दिलों को आभाद इरमा. तेरी जाते आली का ध्यान उर घणी और उर लम्हा अता इरमा. **अय अल्लाह!** अक लम्हे के लिये भी तेरी नाइरमानी और तुजसे गइलत में मुप्तला डोने से तू हमारी डिफ़ाजत इरमा. दवामें जिक् व दवामें ताअ'त की तौईक अता इरमा. हम पर अपना भुसूसी इजल इरमा. हमारी मुकम्मल ईस्लाह इरमा दे. हमारे कुलूब को कुलूबे सलीमह व मुनीबह और हमारे नुईस को नुईसे मुत्मईन्नह बना दे. तमाम अअ'माल में ईप्वास, इरमांभरदारी और अेडतिसाब की

केइयत नसीब इरमा.


❁ अय अल्लाह! उमें अपने गुनाहों और  
 औषों का अेउसास अता इरमाकर उनकी  
 ईस्लाह की तौहीक व सआदत अता इरमा.

अय अल्लाह! तू उम से राजी हो जा, और  
 तेरी रजामंदीवाले काम उमसे करवा ले.

❁ अय अल्लाह! ईमान की सलामती के  
 साथ दुन्या से जाना नसीब इरमा. ऐसी  
 डालत में उमारी मौत आवे के उमारे हिल  
 ईमान के नूर से रोशन हों, ज़बान से  
 कलिमह तय्यिबह जारी हो, तू उमसे राजी  
 हो, उम तुजसे राजी हों, तेरे और तेरे बंदों  
 के हुकूम में से कोई उक उम पर वाजिबुल

अटा बाकी न रह गया हो, **अय अल्लाह!**

ऐसी हालत में मौत अता इरमा.

 कब्र के अजाब से हमारी डिङ्गलत इरमा. यह आभिरत की मंजिलों में पेहली मंजिल हय, **अय अल्लाह!** इसको हमारे लिये आसान कर दे. **अय अल्लाह!** अगर वहां पकण लिया तो कोई बयानेवाला नहीं हय. वोह बुरे अअ'माल जो कब्र के अजाब का सबब बनते हंय; उनसे हमारी पूरी डिङ्गलत इरमा. और वोह नेक अअ'माल जो अजाबे कब्रसे बयाने का जरीअह बनते हंय; उनको इप्तिवार करने हमें तौईक अता इरमा.

 **अय अल्लाह!** क्यामत के दिन की

सप्तियोंसे हमारी डिफाजत इरमा, उस दिन की जिल्लती से बचा ले, उस दिन अपने अर्शे अजीम का साया नसीब इरमा. अपने **उबीबे पाक** के मुबारक डार्थों उज्जे कौसर का जाम नसीब इरमा. **हुजुरे अकरम** को हमारे उक में शफाअत की ईजाजत मरडमत इरमा. नेकीयों के पलणे को जुका दे, सीधे डार्थमें नामअे अअ'माल अता इरमा. पुलसिरात पर से आइयत के साथ गुजारकर, जडन्नम के अजाब से पूरे-पूरी डिफाजत इरमाकर, जन्नतमें पेडले पेडले दाबिल होना नसीब इरमा. हम पर अपना भुसूसी इजल इरमा.

❁ અય અલ્લાહ! ઈબાદતોં કા એહતિમામ નસીબ ફરમા. મુઆમલાત કી દુરુસ્તગી અતા ફરમા. મુઆશરત કા હુસ્ન અતા ફરમા. આપસી હુકૂક કી અદાઈગી કા એહતિમામ નસીબ ફરમા. આપસ કી હક તલ્ફીયોં સે હમારી ભરપૂર હિફાઝત ફરમા.

❁ નમાઝોં કા ખાસ એહતિમામ નસીબ ફરમા. હમોં ઓર હમારે ઘર કે તમામ છોટોં-બળોં, મદોં ઓરતોં, જવાન વ બુણ્હોં કો નમાઝ કા કાઈમ કરનેવાલા બના દે. તેરે ખલીલ ને તુજસે દુઆ કી થી:

﴿ رَبِّ اجْعَلْنِي مُقِيمَ الصَّلَاةِ وَمِنْ ذُرِّيَّتِي ﴾

❁ અય અલ્લાહ! વહી દુઆ હમ ભી તુજસે

करते हूँ, अय अल्लाह! तू हमें और हमारी अवलाह और हमारे घर के दर-दर ईद को नमाज का काँहम करनेवाला बना दे. नमाज के साथ ईशको मुहब्बत अता इरमा, नमाज का ढुशूअ व ढुजूअ हमें अता इरमा. नमाज के अन्वारो ढरकात से हमारी जिंदगीयों, हमारे घरों और हमारे पूरे समाज को रोशन और आढाह इरमा.

❁ अय अल्लाह! पूरी उम्मत को सो इीसद नमाजी बना दे. अय अल्लाह! अपना ढुसूसी इजल इरमा दे.

❁ रोजों का अेहतिमाम नसीढ इरमा. रोजों को हमारे हक में हकीकी तकवा के हासिल ढोने

का जरीअह बना दे. तिलावत व दुआ का  
 अहतिमाम नसीब इरमा. **अय अल्लाह!** तेरे  
 कलामे पाक के लुकूक और लुदूह की रियायत  
 में हमसे जितनी भी कोताही लूँ, मडज  
 अपने इजल से मुआइ इरमा दे. हमारी  
 गइलतों और जहालतों की वजह से हमको  
 मडरूम न इरमा. अगर तूने हमसे निगाहें  
 कैर दी, तो हमें कौन देगा? तेरे कलामे पाक के  
 साथ लकीकी निस्बत और तअ'ल्लूक अता  
 इरमा. **अय अल्लाह!** कुर्आन को हमारे लिये  
 हमेशा सआदतों का जरीअह बना दे. अपने  
 इजल का मुआमला इरमा और हमें नवाज दे.



मालदारों को जकात की अदाईगी की

तौड़ीक अता इरमा.

❁ जिन पर उज इर्ज हो युका उय उनको उज की अदाईगी की तौड़ीक अता इरमा. तेरे जिन बंदों ने उज के धराटे किये उंय; **अय अल्लाह!** आइयत व आसानी के साथ उनको उज की सआदत से मालामाल इरमा. **अय अल्लाह!** उम में से उर अक को नेकीवाला उज और जियारते मकबूलह की सआदत से मालामाल इरमा हे. उम पर अपना ખुसूसी इजल इरमा हे.

❁ **अय अल्लाह!** उमारे मुआमलात को दुरुस्त इरमा. उराम से पूरे-पूरी डिफाजत इरमा, उलाल का अहतिमाम करने की तौड़ीक



अता इरमा.

❁ अय अल्लाह! मुआशरत का हुस्न अता इरमा. आपसी लुकूक की अदाईगी का अहतिमाम नसीब इरमा. आपस की लक तल्लीयों से हमारी भरपूर डिफ़ाजत इरमा. आपस के तअ'ल्लुकात को अस्थि बना दे. आपसी दुश्मनीयों को ખत्म इरमाकर मुलुब्बतें पैदा इरमा. अय अल्लाह! हमारे समाज को बेहतरीन समाज बना दे.

❁ अय अल्लाह! ज़ो-ज़ो बुराईयां समाज में जण पकण युकी लंय उनको दूर इरमा. टी.वी. और मोबाईल की नडूसत से लर-लर घर को नज़ात अता इरमा. सूद से नज़ात अता

इरमा. शराबनोशी और जिनाकारी से हमारे समाज को पाक इरमा. नवजवानों की सलाहियतों को बेकार होनेसे बचा ले. अपने भुसूसी इजल का मुआमला इरमा हे.

❁ **अय अल्लाह!** हमारी तमाम अवलाह को अकार्छिते उक्कड, नईवाले ईल्म, नेक अअ'माल, उये अफ्लाक से मालामाल इरमा. भुरे अफ्लाक, भुरे किरदारो गुइतार, भुरी आदतों, भुरी सोडभतों और भुरे माडोल के भुरे असरात, और भुरे लोगों की भुरी आदतों का निशाना बनने से उनकी पूरे-पूरी डिझाजत इरमा. अपनी शाने इबूबियत से उनकी बेडतरीन तरबियत इरमाकर, उनको हमारी

आंभों की ठंडक, उमारे दिलों का सुन्न, उमारे  
लिखे सदकअे जरिये और उमारी उम्मीदों से  
बण्डकर बना दे.

❁ अय अल्लाह! अवलाह की तअ'लीम  
और तरबियत के सिलसिले में जो  
जिम्मेदारियां तूने हम पर डाली हंय उसको  
पूरी अमानतो दियानत के साथ अदा करने की  
हमें तौफ़ीक अता इरमा.

❁ अय अल्लाह! हमें और उमारे भानदान  
और उमारे तमाम मातहतों को तंदुरस्ती,  
ताकत, आइयत, सलामती, हुन्या व आभिरत  
की भलाइयों से भालामाल इरमा. उमारी  
तमाम जरूरतें अपने भजाना अे गैब से पूरी

इरमा. अपने सिवा किसी का मोड़ताज न बना. उमारी रोजियों में बरकत अता इरमा.

❁ अय अल्लाह! मुप्तलिफ़ हैसियतों से तूने उम पर जो-जो जिम्मेदारीयां लाजिम कर रब्बी हंय उनको पूरी अमानत के साथ पूरा करने की उमें तौईको सआदत अता इरमा. उनमें थोणी सी भी भियानतसे उमारी पूरी डिफ़ाजत इरमा.

❁ अय अल्लाह! जिनकी अवलाह नाइरमान हंय उनकी अवलाह को तू तेरा और उनके वालिदैन का इरमांबरदार बनाकर मां-बाप की आंभें ठंडी इरमा, उनको वालिदैन के हुकूक की अदाईगी का अेइतिमाम नसीब इरमा. अय

अल्लाह! आज तो घर-घर में अवलाह की नाइरमानी और नुशूज की शिकायत है; अय अल्लाह! मां-बाप की आंभों को अवलाह की इरमांभरदारी से ठंडा इरमा.

❁ अय अल्लाह! जिन्होंने अपनी अवलाह को ईल्मे दीन हासिल करने के लिये वकई किया है, उनकी तमन्नाओं अपनी अवलाह की तरई से पूरी इरमा. उनकी तमाम अवलाह को नईवाले ईल्म, नेक अअ'माल, उये अह्लाक से मालामाल इरमा, उनकी तरई से मां-बाप की आंभें ठंडी इरमा. भुरी सोडभतों से उनकी डिइजलत इरमा. अय अल्लाह! अपने भुसूसी इजल का मुआमला इरमा हे.

❁ अय अल्लाह! जिनकी शादीशुदा जिंदगी कण्वी हो चुकी हो उनकी शादीशुदा जिंदगी में उकीकी पूशियां अता इरमा. शादीवाली जिंदगीयों की कणवाउटों को पूशियों से बदल दे. शोहरों को बीवीयों के हुकूक की अदाईगी का अउतिमाम नसीब इरमा. बीवीयों को शोहरों की इरमां भरदारी की तौईक अता इरमा. शादीशुदा जिंदगी की पूशियों की राउ में जो-जो इकावटें हुंय उनको दूर इरमाकर उकीकी पूशियां अता इरमा.

❁ अय अल्लाह! जिनकी अवलाह शादी की उम्र को पडोंय चुकी हुंय, लणके हो या लणकियां; मुनासिब जोण और रिश्ता न मिलने

की वजह से परेशान हूँ, अय अल्लाह!  
 अपने इज्जत से सब को सालेह ज़ोण अता  
 इरमा. अय अल्लाह! जिनके रिश्ते हो चुके  
 हूँ; लेकिन अस्बाब न होने की वजह से  
 निकाह रूके हुवे हूँ, आइयत के साथ उनके  
 निकाह के अस्बाब तैयार इरमाकर आइयत के  
 साथ निकाह के मरहलों को कामियाबी से पार  
 इरमा दे. जिनके निकाह हो चुके हूँ; लेकिन  
 इप्सती की राह में रुकावटें हूँ, वीजा के न  
 मिलने की वजह से दुश्वारियां हूँ, उन  
 रुकावटों और दुश्वारियों को खत्म इरमा.

❁ अय अल्लाह! जो बे अवलाह हूँ उनको  
 नेक और सालेह अवलाह अता इरमा. जो

लणके यादते हंय, उनको लणके अता इरमा.  
**अय अल्लाह!** जो बे-घर हंय उनको घर अता  
 इरमा. जो बे सडारा हंय उनको सडारा अता  
 इरमा. जो बेरोजगार हंय उनको उलाव,  
 बरकतवाली रोजी अता इरमा. **अय अल्लाह!**  
 रोजी के दरवाजे ખોલ दे. हम में से हर अक  
 को बरकतवाली रोजी अता इरमा.

❁ ताजिरों की तिजारत में, किसानों की भेती  
 में, हुनरमंदों के हुनर में, जार्ज और उलाव  
 नोकरों की नोकरी में, जिसका जो भी जार्ज  
 धंधा हो, उसमें ખૂब बरकत अता इरमा.

❁ **अय अल्लाह!** हम सब को उलाव,  
 बरकतवाली रोजी अता इरमा. किसी का



મોહતાજ ન બના. હમારી તમામ ઝરૂરતે  
અપને ખજાન એ ગૈબ પૂરી ફરમા. અપના  
ખુસૂસી ફઝલ ફરમા.

❁ અય અલ્લાહ! જિનકી તિજારતે તૂટ ગઈ  
હંચ, દો બારહ ઉનકો કાઈમ ફરમા દે. ઉનકો  
હુવે નુકસાન કી ભરપાઈ ફરમાકર દો બારહ  
ઉનકો નફેવાલી તિજારત અતા ફરમા દે.

❁ અય અલ્લાહ! કારોબારી લાઈન સે જિતને  
ભી તેરે બંદે પરેશાનીયો મેં મુખ્તલા હંચ ઉનકી  
પરેશાનીયો કો દૂર ફરમા દે.

❁ અય અલ્લાહ! જો હરામ મેં પળે હંચ,  
ઉસ સે ઉનકો આફિયત કે સાથ છુબાકર  
હલાલ રોજી અતા ફરમા. અય અલ્લાહ! સબ

को उलाहल परकतवाली रोजी और उसके अस्बाब अता इरमा. रोजी के रास्ते की डर रुकावट को दूर इरमा दे. अपना पुसूसी इजल इरमा दे.

❁ अय अल्लाह! जहां बारिश की जरूरतें हंय, अपनी रहमत की बारिशें नाजिल इरमाकर सूभी हुई भेतीयों को डरा भरा इरमा.

❁ अय अल्लाह! जो कर्जदार हंय उनके कर्जों की अदाईगी की शकलें पैदा इरमा. कर्जों के भोज से उनको उल्का इरमा. अय अल्लाह! हमारे तअ'ल्लुक रहनेवाले बे शुमार अडबाब कर्जों के भोज में दबे हुवे हंय और अपनी

जिंदगी में अदाईगी के मुआमले में मायूस हो  
 युके हंय; उसकी वजह से रातों की नींद उठ  
 युकी हय; दिन को मुंड छुपाये फिरते हंय,  
**अय अल्लाह!** अपने पुसूसी इजल का  
 मुआमला इरमाकर आइयत के साथ सब के  
 कर्जों की अदाईगी की अपने गैबी जजाने से  
 शकलें और सूरतें पैदा इरमा दे.

❁ **अय अल्लाह!** तमाम बीमारों को  
 सिहलते कामिलह, आजिलह, मुस्तभिरह अता  
 इरमा. **अय अल्लाह!** बडोत सारे लोग जान  
 लेवा बीमारीयों में सालों से पणे हंय, बिस्तर  
 पर पणे हुवे मुदतें गुजर गई, अेणीयां रगण  
 रहे हंय. **अय अल्लाह!** तू ही शिक्षा देनेवाला

हय, जो जिस बीमारी में मुप्तला हो, तू अपने पजान अे शिक्षा से सब को मुकम्मल तौर पर शिक्षा अता इरमा.

❁ अय अल्लाह! जो लोग आसेब का शिकार हंय, उनको आसेबी असरात से नजात अता इरमा. अय अल्लाह! जो लोग सहर और जादू के शिकार हंय उन पर से जादू के असरात को खत्म इरमा. अपने इजल का मुआमला इरमा.

❁ अय अल्लाह! जो लोग जेलों बंद में बंद हंय, अपने जुसूसी इजल से उनको रिहाई अता इरमा. पूरे आलम में तेरे बेशुमार बंदे मडल तेरे नाम और तेरे दीन

કી નિસ્બત પર જેલોં કી તકલીફે બરદાશત કર રહે હંય, અય અલ્લાહ! તૂ અપની ઈસ નિસ્બત કી લાજ રખતે હુવે મહજ અપને ફઝલ સે ઉનકી રિહાઈ કી શકલેં સૂરતેં પૈદા ફરમા દે. અય અલ્લાહ! જિનકે કેસ ચલ રહે હંય ઉનકો આફિયત કે સાથ છુટકારા અતા ફરમા દે. અય અલ્લાહ! સબ પર અપના ખુસૂસી ફઝલ ફરમા દે.

❁ અય અલ્લાહ! પૂરે આલમ મેં જહાં કહીં ભી મુસલમાનોં પર ઝુલ્મ હો રહા હય ઉનકી ભરપૂર મદદ ફરમા. ઝાલિમ કે હાથ કો ઝુલ્મ સે રોક દે, મઝલૂમ કી મદદ ફરમા, અય અલ્લાહ! મુસલમાન કો ઝાલિમ બનને સે ભી

और मजलूम बनने से भी मड़कूळ इरमा दे,  
अय अल्लाह! इस उम्मत पर अपना भुसूसी  
इजल इरमा दे.

❁ डुजुरे अकरम ❁ का उम्मती जहां कहीं  
भी हो, उसके इमान व इस्लाम की, जानो  
माल की, इज्जतों आबरू की, अहल्लो अयाल  
की, तिज्जरत, जराअत, कारोबार की, और  
उसकी हर चीज की पूरी-पूरी डिफ़ाजत इरमा.

❁ अय अल्लाह! पूरे आलम में पाकीजह  
शरीअत को जारी इरमा. उसके जारी करने के  
लिये इन्फ़िरादी और इजतिमाई तौर पर जो  
कोशिशों की जा रही हूँ, उनको कामियाब  
इरमा. रास्ते की रुकावटों को दूर इरमा.

❁ अय अल्लाह! यहूदो नसारा और हुनूद के शर और स्कीमों से ईस्लाम और अेहले ईस्लाम की पूरी-पूरी डिफ़ाजत इरमा. उनकी स्कीमों को उन ही पर उलट दे. अपने जुसूसी इजल का मुआमला इरमा.

❁ हमारे इस मुल्क में तेरे नेक, सालेह और मकबूल बंदो, अकाबिरीन के लगाअे हुवे मुप्तलिफ़ दीनी काम जो पुराने जमाने से चल रहे हुंय, अय अल्लाह! उन सभ की त्तरपूर डिफ़ाजत इरमा. आईन्दह के लिये उन सभ को उसी तरह आबो ताब के साथ रफने के इंसले इरमा दे. तमाम शरीरों की शरारतों से, बुरा याहनेवालों की बुराई से, रेशा हवानों की रेशा

दवानियों से, बदनजरो की बदनजरी से और  
 उर बलब अंदाज की बलब अंदाजी से, उन  
 सब की भरपूर डिफ़ाजत इरमा.

❁ अय अल्लाह! उरमैन शरीफ़ैन की  
 डिफ़ाजत इरमा. अय अल्लाह! तमाम ईस्लामी  
 मुल्कों के बणे लोगों को डिदायत अता इरमा,  
 बे दीनों, मुल्हदों की सरबराही से इन मुल्कों  
 को नजात अता इरमाकर, दीनदार,  
 अमानतदार, ग्यरते ईमानी से भरपूर डार्थों  
 में हुकूमत अता इरमा, जो अपने अपने  
 ईलाकों में शरीअते मुतहडिरह को जारी व  
 सारी करनेवाले हों. बिलाइते राशिहह के नडेज  
 पर बिलाइते ईस्लामियह काईम इरमा.



❁ अय अल्लाह! जो हुकमरान इस सिलसिले में कोशिशें कर रहे हंय उनकी भरपूर मदद इरमा. गैरों की साजिशों और अपनों की गदारीयों से उनकी पूरी पूरी डिफ़ाजत इरमा. अेडले उक को गल्बा अता इरमा. भातिल ताकतों को ખत्म इरमा दे. शीर्षय्यत, राइजिय्यत और नासिबिय्यत के शर और गल्बे से ईस्लाम और अेडले ईस्लाम की पूरी डिफ़ाजत इरमा. अपने ખुसूसी इजल का मुआमला इरमा दे.

❁ अय अल्लाह! इसादात की वजह से जहां कहीं भी डालात नाખुशग्वार हंय और बदअम्नी डैली हुई डय; उन तमाम जगडों

पर अन्नो अमान की झिजा काईम इरमा. आपस की दुश्मनी को दूर इरमाकर मुहब्बतें काईम इरमा. उर-उर ईन्सान के जान, माल और ईज्जत, आबरू की डिझाजत इरमा. उमारे ईस मुल्क में बसनेवाली तमाम कोमों में आपस में रवादारी, उमददी, भाईचारागी पैदा इरमा. जो गैर समजें डैलाई जा रही उंय उनको ખत्म इरमा. जो लोग ईनके दरम्यान नइरत पैदा कर के अपने ना जाईज मकासिद को डसिल कर के माडोल को बिगाणना याउते उंय उनकी स्कीमों को डैल कर दे. छिन्दुत्व के अलमबरदारों की साजीशों को उलट दे, उनकी साजीशों को नाकाम कर दे. अपना ખुसूसी

इजल इरमा दे.

❁ अय अल्लाह! इस उम्मत को सरबलंदी, ईजलत व शई का मकाम अता इरमा. तेरी ना-इरमानीयां कर के जिल्लत व इस्वाह के गण्डे में जा चुके हंय, अपनी ईताअत और इरमांभरदारी की तौहीक अता इरमाकर दो बारह ईजलत का मकाम अता इरमा दे. अय अल्लाह! तेरे यहाँ से अगर अेक भरतबड हैसला डो गया तो अस्बाब तो भुद डी वुजूद में आ जाअेंगे, अय अल्लाह! अपने इजल का मुआमला इरमा दे.

❁ अय अल्लाह! ईमान व ईस्लाम की दअवत को हमारै गैर मुस्लिम भाईयों तक

पूरी दिल सोजी के साथ पोंडयाने की उमें  
 तौड़ीक अता इरमा. और उसके लिये मुनासिब  
 तदबीरें इफ्तियार करने की तौड़ीक अता इरमा.  
 इस्लाम और मुसलमानों के खिलाइ दुश्मनाने  
 इस्लाम की तरफ से की जानेवाली साजिशों  
 और स्कीमों को ना-काम कर दे. इस्लाम और  
 मुसलमानों की निश्चत से पूरे आलम में जो  
 गैर समर्थें झैलाई गई उंय, **अय अल्लाह!**  
 आइयत के साथ उनको दूर इरमा दे. इमानो  
 इस्लाम की उवाओं यला दे, उर-उर इन्सान  
 को इमान की दौलत से मालामाल इरमा दे.  
 उर उर मुसलमान को इस्लामो इमान की  
 दअवत पेश करनेवाला बना दे. इस सिलसिले

की कोशिशों में हमें भी अपना हिस्सा लगाने की तौफ़ीक़ अता फ़रमा।

❁ अय अल्लाह! तमाम मदरिसे अरबियह, मक़ातिबे कुआनियह, मराकिज़े दीनीयह, ખानકાહોં की, मस्जिदों की, तप्लीगी और दीनी मराकिज़ की और तेरे दीन का काम ज़हं कहीं, जिन शक़लों में हो रहा हय, और तेरे यहं मक़बूल और पसंदीदह हय; उन सबकी लरपूर डिफ़ाज़त फ़रमा। काम करनेवालों की डिफ़ाज़त फ़रमा। उनको ईष्व्वास, ईस्तिक़ामत, डिम्मत और हौसला अता फ़रमा, उनके रास्ते की रुकावटों को दूर फ़रमा। उनकी मुश्क़लात को आसान फ़रमा। उनको मुज्बिलस और अेकटीव

काम करनेवाले साथी अता इरमा. उन कामों को पूरा करने के लिये उसके मुनासिब अस्बाब अता इरमा. अय अल्लाह! अपना जुसूसी इजल इरमा. अय अल्लाह! हम सब से राजी हो जा. और रजामंदी वाले अअ'माल करवा ले.

❁ अय अल्लाह! हमारे मजूस ईदारे, दारुल उलूम देवबंद, मजाहिरे उलूम सदारनपूर, जामिअत डामेल, शाही मुरादाबाद, दारुल उलूम नदवड लपनउ, और जास-जास तमाम ईदारे; इन सब की त्तरपूर मदद इरमा. इन सब की नजरे बंद से डिफाजत इरमा. पूरे आलम में मदरिस और मकतब

કે જો યહ સિલસિલે જારી હંય, ઉન સબ કી ભરપૂર મદદ ફરમા.

❁ અય અલ્લાહ! જહાં મકાતિબ કા કયામ ઝરૂરી હય વહાં ઉનકે કાઈમ હોને કી સૂરતેં પૈદા ફરમા. તેરે જો બંદે ઈન્ફિરાદી વ ઈજતિમાઈ તૌર પર ઈન સારી ફિક્કોં કો લે કર ચલ રહે હંય, ઓર મેહનતેં કર રહે હંય; ઉનકી કોશિશોં કો કબૂલ ફરમા. ઉનકે રાસ્તે કી રૂકાવટોં કો દૂર ફરમા. ઉનકી મુશ્કિલાત કો આસાન ફરમા. હર—હર ઈલાકે મેં મુસલમાન બચ્ચોં કી તઅ'લીમ ઓર તરબિયત કા બેહતરીન ઈન્તિઝામ ફરમા.

❁ અય અલ્લાહ! જહાં મસાજિદ કી ઝરૂરત


उय उनकी तअ'भीर की शकलें पैदा इरमा.  
और जहां तअ'भीरी सिलसिले चल रहे उंय  
उन सब की तकमील की ખजान એ गैब से  
शकलें सूरतें पैदा इरमा.

❁ उमारे वालिदैन, उमारे असातिजड,  
उमारे मशाईष, उमारे मुरब्बी; जिन्होंने  
उमारी तअ'लीम व तरबियत में डिस्सा लिया,  
मशकतें उठाई, तकलीकें जेवीं, उमारी गइलतों  
को बरदाश्त किया, अय अल्लाह! उन सबको  
उमारी तरफ से बेहतरीन बदला दुन्या व  
आभिरत में अता इरमा. जो दुन्या से जा युके  
उंय उनकी कध्रों को नूर से भर दे. अपनी  
भगइरतों और रडमतों से ढांप ले. जन्नतुल



झिरदौस में उनके मकाम और मरतिब को बलंद इरमा. जो उयात उंय उनकी उम्रों में, उनकी तंदुरस्ती, आझियत में, उनकी नेकीयों में, उनके नेक कामों में, उनकी धल्मी, दीनी, मिल्ली भिदमात में भूब बरकत अता इरमा. उनके साये को उम पर आझियत के साथ काईम इरमाकर उनकी कद्रदानी की उमें तौईक अता इरमा.

❁ उमारे अकाबिरो मशाईब जो भौजूद उंय; उनको सिउउत, कुव्वत, आझियत अता इरमाकर उनकी उम्रों में बरकत अता इरमा. उनको बुराईयों से, झिन्नो से, आझतों से मडङ्ग इरमा.

 अय अल्लाह! दीन की यह अमानत  
 हमारे पिछलों और अस्वाइके किराम ने बणी  
 कुर्बानीयों और मशक़्तों से हम तक पोंडयाई  
 उंय, अय अल्लाह! हमें भी तेरी दी हुई  
 सलाखियतों और नेअ'मतों को ईस्तेअ'माल  
 करते हुवे ईस अमानत को मौजूदह और  
 आनेवाली नस्लों तक पोंडयाने के लिये हर  
 तरह की कुर्बानीयां पेश करने की तौईक अता  
 इरमा. अय अल्लाह! हमें तेरे दीन और ईल्मे  
 दीन को इैलाने के लिये, डिफ़ाऊत और जिदमत  
 के लिये बे-उद कबूल इरमा. हमारी कोताखियों  
 की वजह से हमें मउरूम न इरमा.

 नबीअे करीम  को हमारी और पूरी

उम्मत की तरफ़ से बेहतरीन बदला - जो  
 एक नबी को उसकी कौम और रसूल को  
 उसकी उम्मत की तरफ़ से दिया करता है -  
 अता इरमा. उज़राते सहाबा *رضوان الله عليهم اجمعين*  
 भुसूसन उज़राते मुहाजिरीन और अन्सार  
 और अहले बद्र और अहले बय्यते रिजवान,  
 भुलझाअे राशिदीन, तमाम ताबिर्धन व तब्बे  
 ताबिर्धन, अर्धम्मअे मुजतहिदीन, मुहदिसीन,  
 मुइस्सिरीन, इकडा, सूइया-अे-किराम और  
 मशाईभे ईजाम और तमाम अस्वाइ को  
 हमारी और पूरी उम्मत की तरफ़ से जज़ाअे  
 भैर मरहमत इरमा. **अय अल्लाह!** हमें भी  
 उनकी याद पर चलते हुअे तेरी दी हुई

सलाखियतों और नेअ'मतों को तेरे दीन और  
 ईल्मे दीन की ईशाअत, डिफ़ाजत और  
 भिदमत के लिये ईस्तेअ'माल करने की तौफ़ीक  
 अता इरमा. उनको दुन्या के पीछे जायेअ  
 करने से उमारी डिफ़ाजत इरमा. दुन्या के बेटों  
 में से न बना, आभिरत के बेटों में से बना  
 ले. **अय अल्लाह!** उम पर अपना भुसूसी  
 इजल इरमा दे. इत्नों से डिफ़ाजत इरमा.

❁ **अय अल्लाह!** ईस वकत पूरी दुन्या जिस  
 मुसीबत में गिरइतार हंय उस से उम सब  
 की डिफ़ाजत इरमा.

❁ **अय अल्लाह!** अक छोटे से जरसुमे ने  
 पूरे आलम को तइस नइस कर के रभ दिया,

સારા નિજામ ઝેરો ઝબર હો ગયા હય. અય  
અલ્લાહ! તેરી કુદરત કો સબને દેખ લિયા હય,  
અપને ફઝલ કા મુઆમલા ફરમા દે. અય  
અલ્લાહ! ઈસ બલા ઓર બીમારી કો ઉઠા દે.

❁ અય અલ્લાહ! ઈસ કોરોના વાયરસ કી  
વજહ સે પૂરે આલમ મેં જો બીમારીયાં ફેલી  
હૂઈ હંય, ઉસ્કો ઉઠા લે. અય અલ્લાહ!  
સિહહત કો આમ ફરમા દે. તમામ મદારિસે  
અરબિયહ, મકાતિબે કુઆનિયહ મેં તઅ'લીમી  
સિલસિલોં કો જારી ફરમા દે. મસ્જિદોં મેં  
બાજમાઅત નમાઝોં કો સુન્નત કે મુતાબિક  
જારી ફરમા દે.

❁ અય અલ્લાહ! તેરે બંદોં કે હુકુક કી

अदाईगी में हमसे जितनी कोताहीयां हुई,  
उनका ईदराक और अेडसास अता इरमाकर  
उसकी तलाई की हमें तौईक व सआदत अता  
इरमा.

❁ अय अल्लाड! अपने इजल का मुआमला  
इरमा.

### रमजानुल मुबारक की दुआ

❁ अय अल्लाड! इस माडे मुबारक की  
बरकतों से हमें माला माल इरमा. इस महीने  
का डक अदा करनेवाला बना डे. अय अल्लाड!  
इस महीने की तैयारी करने की हमें तौईक  
अता इरमा. इसको कमा डककडू वुसूल करने डे

અસબાબો વસાઈલ અપને ખજાન એ ગૈબ સે મુહેયા ફરમા દે.

❁ અય અલ્લાહ! માહે મુબારક કો જાએઅ હોને ઓર હમારી ગફલતોં કી નઝર હોને સે બચા લે.

❁ અય અલ્લાહ! યહ રમઝાન કા મહીના તૂને ઈસી લિયે અતા ફરમાયા થા કે ગુનાહોં કી આદતેં છુટ જાએ, તકવા હમારી ઝિંદગી મેં આ જાએ, લેકિન અય અલ્લાહ! રોઝોં કી હાલત મેં ભી હમ તો ગુનાહ કરતે રહે. અય અલ્લાહ! તૂ હમ પર અપના ખુસૂસી ફઝલ ફરમા દે. અય અલ્લાહ! ગુનાહોં કી આદતેં

हम से छुणा दे. और इन रोजों को हमारे  
हक में हकीकी तकवा के हासिल होने का  
जरीअह बना दे.

❁ अय अल्लाह! यह मगफ़िरत का अशरह  
हय, इसमें तू अपने बेशुमार बंटों की  
मगफ़िरत इरमाता हय, अय अल्लाह! हमें भी  
उनमें शामिल इरमा ले. इस अशरे में तू  
बणे—बणे गुनेहगारों की मुआज़ी का इंसला  
इरमाता हय, अय अल्लाह! हमारे लिये भी  
मगफ़िरत का इंसला इरमा दे. पूरी उम्मत के  
लिये मगफ़िरत का इंसला इरमा दे.

❁ अय अल्लाह! यह मुबारक महीना तूने



महल अपने झल से अता इरमाया. आधे से  
 जयादह गुजर युका, उसका जैसा उक अदा  
 करना याडिये था वैसा उक अदा नहीं कर  
 पाये. और उसको जैसा वुसूल करना याडिये  
 था नहीं कर पाये. **अय अल्लाह!** उमने धन  
 मुबारक घणियों को भी गइलत डी के अंदर  
 गुजर दिया. उमारी कोताडीयों से दरगुजर  
 इरमा दे. **अय अल्लाह!** अपने झल का  
 मुआमला इरमा.

❁ **अय अल्लाह!** अब जो दिन बाकी रेह  
 गये हंय उनकी भरपूर कद्र करने की तौईक  
 अता इरमा. इस मगइरत के अशरे को वुसूल

કર કે મગફિરત કા હકદાર બનને કી તૌફીક  
અતા ફરમા.

### આખિરી અશરહ કી દુઆ

❁ અય અલ્લાહ! યહ રમઝાનુલ મુબારક કા  
મહીના ખત્મ હોને કે કરીબ હય, અય  
અલ્લાહ! રહમત કા અશરહ ગુઝર ગયા, હમને  
કોઈ એસા અમલ નહીં કિયા જિસ સે હમ  
તેરી રહમત કે હકદાર બનતે, મગફિરત કા  
અશરહ ભી ગુઝર ગયા, હમને કોઈ એસા  
અમલ નહીં કિયા જિસ સે હમારી મગફિરત  
હો સકે. અય અલ્લાહ! યહ જહન્નમ સે છુટકારે  
કા અશરહ ભી ખત્મ હોને કે કરીબ હય. અય

अल्लाह! हमारे लिये रहमत का हैसला इरमा,  
मगफिरत का हैसला इरमा, जहन्नम से  
आजादी का हैसला इरमा दे. अय अल्लाह! तू  
ईस महीने में लाखों और करोड़ों बंदों को  
मुआफ़ करता है उनमें हमें भी शामिल  
इरमा ले.

❁ अय अल्लाह! तू हमारी, हमारे वालिदैन  
की, हमारे अेउलो अयाल की, हमारे भाईयों,  
भेउनों और उनकी अवलाह की, अवलाह की  
अवलाह की, हमारे रिशतेदारों की, हमारे  
असातिउह व मशाईफ की, हमारे दोस्तो  
अहबाब, तअ'ल्लुक रहनेवालों, मुहब्बत


करनेवालों की, और जिन्होंने हमें दुआओं के लिये कडा या लिप्पा, या जो हमसे दुआओं की उम्मीद रखते हंय, या जिनके हमारे उपर हक हंय, और तमाम मुअमिनीन व मुअमिनात, मुस्लिमीन व मुस्लिमात, पूरी उम्मत मुहम्मदियह की गरदनों को जहन्नम से आजाद इरमा दे.

❁ अय अल्लाह! अगर तूने हमारी मगफिरत नहीं इरमाई तो हम तेरे मुकर्रब इरिशते उजरत जिब्रईल ﷺ की बहदुआ और तेरे उबीब ﷺ की “आमीन” के उकदार बन जायेंगे, और अय अल्लाह! हमारा कोई

ठिकाना न रहेगा, तू हमारे लाल पर रहम  
 इरमा दे.

❁ अय अल्लाह! यकीनन तेरे यहां तो नेकों  
 के सटके में बुरों को बर्शा जाता है, जब तू  
 अपने उन बंदों को जिनकी ईबादतों और  
 अअ'माल से भूश होता है, नवाजेगा; तो  
 उनके सटके में उनके साथ हमें भी नवाज दे.

❁ अय अल्लाह! शबे कद्र की ईबादत  
 नसीब इरमा. इस मुबारक रात को हमारी  
 गइलतों की नजर हो जाने से बचा ले. अपने  
 इजल का मुआमला इरमा.

 અય અલ્લાહ! મસ્જિદ મેં એઅ'તિકાફ કી  
 હાલત મેં રહે, તૂને અપને ફઝલ સે અપના  
 નામ લેને કી તૌફીક અતા ફરમાઈ, કુઆને  
 પાક કી તિલાવત કી તૌફીક અતા ફરમાઈ,  
 તરાવીહ મેં ખળે રેહને કી તૌફીક અતા  
 ફરમાઈ, કુઆને પાક સુનને કી તૌફીક અતા  
 ફરમાઈ, રોઝોં કી તૌફીક અતા ફરમાઈ,  
 એઅ'તિકાફ કી તૌફીક અતા ફરમાઈ. હમ તો  
 ઈસ લાઈક નહીં થે કે હમ સે યહ અઅ'માલ  
 સરઝદ હોતે, તૂને મહઝ અપને ફઝલ સે યહ  
 અઅ'માલ હમસે કરવાએ. અય અલ્લાહ! જૈસે

उम कमजोर हंय, वैसे ही उमारे यह  
अअ'माल भी कमजोर हंय, जैसे उम अधूरे  
हंय, उमारे यह अअ'माल भी अधूरे हंय.

अय अल्लाह! अधूरे से तो अधूरा ही वुजूह  
में आ सकता हय. अय अल्लाह! अपने इजल  
का मुआमला इरमा. उमारे एन तूटे कूटे  
अअ'माल को कबूल इरमा ले.

❁ रमजान का मुबारक महीना जब अत्म  
हो जायेगा और मस्जिद से निकलकर जब हो  
बारह अपने पुराने माडोल में जायेंगे, पता  
नहीं कैसी कैसी आजमाईशों का सामना होगा,

दरजात को बुलंद इरमा. इस सिलसिले में  
 पैरो बरकत मुकदर इरमा. उमारे बुजुर्गों की  
 इरमांबरदारी में जडां—जडां भी यह सिलसिले  
 जारी हंय, उन सब को कबूल इरमाकर उनको  
 भूष तरककी अता इरमा. इन पानकाडों को  
 उमारे दिलों की सफाई का जरीअह बना.

❁ यडां की इस पानकाड में आनेवाले  
 दर—दर ईद को बेईन्तडा कबूल इरमा. जो  
 पूरे मडिने के लिये आया उसको भी कबूल  
 इरमा. और जो अक लम्डे के लिये आया  
 उसको भी कबूल इरमा. सबको तेरी पास  
 नजदीकी अता इरमा. तेरी निस्बत पर



उस वक्त हमारी मदद करना. अय

अल्लाह! हमारी रेहनुमाई करना. मदद करना.

मुश्किलें दूर करना. हमारी भरपूर मदद करना.

करमांवरदारी की तौफ़ीक अता करना दे.

❁ अय अल्लाह! हमारी यहाँ की उजरी को

कभूल करना ले. यह जानकाही सिलसिले

हमारे अकाबिर, तेरे नेक बंदों, उजरत शैख

और उजरत मुईती साइब (रहिमदुमल्लाह)

की निस्बत और डिदायतों पर जारी हंय, उन

दोनों अकाबिर को हमारी और पूरी उम्मत की

तरफ़ से बेहतरीन बहला अता करना. उनके

आनेवालों को तेरी जाते आली के साथ हकीकी तअ'ल्लुक से मालामाल इरमा दे. हर अक के हिल को तेरी मुहब्बत से भर दे. नूरे निस्बत से मालामाल इरमा. अपना जुसूसी इजल इरमा दे.

❁ अय अल्लाह! यहां पानकाह में कियाम के लिये आनेवाले मेहमानों की जिन्दोंने भिदमतें की हंय, और मुप्तलिफ़ तरीकों से मेजबानी का शर्क हासिल किया हय, अय अल्लाह! तू अपने उन तमाम बंदों को बेहतरीन बढला अता इरमा. अय अल्लाह! उन्होंने अपनी इबादतों, अपनी तिलावतों और तस्बीहात को कुर्बान कर के तेरी निस्बत

## आजरी उम्मी दुआ

❁ अय अल्लाह! तेरे जिन बंदों ने हमसे दुआओं के लिये कडा या लिप्पा, या जो हमसे उम्मीद रखते हंय, उन सब की जाईज मुरादें पूरी इरमा दे.

❁ अय अल्लाह! हुजूरे अकरम ﷺ ने, उररते अंबिया ﷺ ने, तेरे नेक और सालेह बंदों ने जितनी भैर और ललाईयों का तुजसे सवाल किया हय वोह सब हमें और पूरी उम्मत को अता इरमा. और जिन भुराईयों से पनाह याही, उनसे हमारी और पूरी उम्मत की लरपूर डिफाजत इरमा.

पर आनेवालों के लिये अपने आप को वकई कर दिया था, **अय अल्लाह!** तूने जैसा पवाब उन ईबादत करनेवालों को अता इरमाया, उस से जयादद इन भिदमत करनेवालों को अता इरमा दे. और उनको हमारी और तमाम आनेवाले मेहमानों की तरफ से बेहतरीन भदला अता इरमा.

❁ **अय अल्लाह!** जिन्होंने हमें मुप्तलिइ अशरों में कुआनि पाक सुनाया, उन सब को बेईन्तिला कभूल इरमाकर उनकी नस्लों में कुआनि पाक के भरकात को आम इरमा दे.

❁ **अय अल्लाह!** सब पर अपना भुसूसी इजल इरमा दे सब से राजी हो जा.

❁ અય અલ્લાહ! ઈસ મુબારક મહીને મેં જિતની ભી દુઆએં માંગી ગઈ હંય, તન્હાઈ મેં યા મજમેઅ મેં, ઈજતિમાઈ તૌર પર યા ઈન્ફિરાદી તૌર પર, નમાઝ મેં યા નમાઝ સે બાહર; અય અલ્લાહ! તમામ હી દુઆઓં કો શર્ફે કબૂલિયત અતા ફરમા.

❁ અય અલ્લાહ! હરમૈન શરીફૈન જાનેવાલે હમારે નુમાઈન્દે ઓર તેરે નેક બંદોં કી દુઆઓં મેં હમારા હિસ્સા લગા દે, ઓર હમારી દુઆઓં મેં ઉનકા ભી હિસ્સા લગા દે.

❁ અય અલ્લાહ! હમારી દુઆઓં કો મહઝ અપને ફઝલો કરમ સે ઓર હબીબે પાક ❁

કે સદકે ઓર તુફેલ મેં કબૂલ ફરમા લે.

❁ અય અલ્લાહ! તેરે સામને હમારે હાથ ઉઠે હુવે હંય, તેરે ખઝાને ભરે હુવે હંય, ઓર અય અલ્લાહ! હમારે દિલ જઝબાત સે પુર હંય, ખહોત સી હાજતેં વોહ હંય જો ઝબાન પર નહીં આ પા રહી હંય, લેકિન અય અલ્લાહ! તૂ દિલોં કે હાલ સે અચ્છી તરહ બા ખબર હય.

❁ અય અલ્લાહ! તેરે હબીબ ને હમેં ખબર દી હય કે તેરે સામને જબ હાથ ઉઠાએ જાતેં હંય તો ઉનકો ખાલી લોટાતે હુવે તુજે શર્મ આતી હય.

وَفِي النَّفْسِ حَاجَاتٌ. وَفِيكَ فَطَانَةٌ  
سُكُوتِي بَيَانٌ عِنْدَهَا وَخِطَابٌ

❁ અય અલ્લાહ! હમારી યહ ખામોશી ભી તૂ બખૂબી જાનતા હય. અય અલ્લાહ! જો માંગા વો ભી અતા ફરમા. આજ તક બગૈર માંગે ઓર બગૈર લિયાકત કે હમેં દિયા હય, અબ ભી હમેં અપને ખજાનોં સે અતા ફરમા દે. આજ તક તુજસે માંગકર કભી મહરૂમ નહી રહે હંય, આજ ભી ઓર આઈન્દહ ભી મહરૂમ ન ફરમા.

❁ અય અલ્લાહ! રાત કી ઈસ ઘણીમેં દુન્યા કે કિસી સખી કે દરવાઝે પર ઈતના બળા

મજમઅ જા કર દો કોળી કા સવાલ કરે તો  
 યકીનન વોહ મનાઅ નહીં કરેગા, અય  
 અલ્લાહ! તૂ તો સખીયોં કા સખી હય, દાતાઓં  
 કા દાતા હય, તેરે ખજાને ભરે હુવે હંય, તૂ  
 તો બગૈર માંગે દેતા હય, ન માંગને સે નારાઝ  
 હોતા હય, જો કુછ માંગા ગયા ઉસ સબ કી  
 તેરે ખજાનોં કે મુકાબલે મેં કોઈ હૈસિયત નહીં  
 હય. અય અલ્લાહ! હમારી સારી હાજતેં ઓર  
 ઝરૂરતેં પૂરી ફરમા દે. સબ કો સબ કુછ સે  
 નવાઝ દે.

❁ અય અલ્લાહ! ઈસ મૌકે પર જિન્હોંને  
 ભી હમસે અપને અપને મકાસિદ કે લિયે



दुआओं की दरखास्तों की उंच, अय अल्लाह!

तू उन सब दरखास्त करनेवालों से भी अच्छी  
तरह जा खबर हो; सबको अपने इजलसे  
नवाज दे.

❁ अय अल्लाह! हमारी दुआओं को मजल  
अपने इजलो करम से कबूल इरमा ले.

رَبَّنَا جِئْنَاكَ تَائِبِينَ، فَلَا تَرُدَّنَا خَائِبِينَ.  
رَبَّنَا تَقَبَّلْ مِنَّا إِنَّكَ أَنْتَ السَّمِيعُ  
الْعَلِيمُ وَتُبْ عَلَيْنَا إِنَّكَ أَنْتَ التَّوَّابُ الرَّحِيمُ  
وَصَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى خَيْرِ خَلْقِهِ سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا  
مُحَمَّدٍ وَآلِهِ وَأَصْحَابِهِ أَجْمَعِينَ بِرَحْمَتِكَ يَا أَرْحَمَ  
الرَّاحِمِينَ

## तकमीले हिङ्गे कुआने करीम के मौके की दुआ

❁ अय अल्लाह! जिस बच्चे ने हिङ्गे कुआने पाक की तकमील की डय, उसको बे धन्तिहा कबूल इरमा. जिस तरड तूने इसके सीने को कुआनी अल्लाह से संवारा, कुआनी उलूमो मआरिफ से भी इसको मालामाल इरमा. कुआनी अअ'माल का इसको अेडतिमाम नसीब इरमा. कुआन के उये अप्लाक से इसको संवार दे. रात और दिन की मुप्तलिङ्घ घणीयों में जयादड से जयादड

कुर्आने पाक की तिलावत कर के उसका उकड़े  
 डिङ्गल अदा करने की इसको तौड़ीक अता  
 इरमा. डिङ्गले कुर्आन की तकमील पर जो  
 वअदे और बशारतें तूने अपने **उबीबे पाक**  
 ❁ की लभाने मुबारक से दिये उंय, उन  
 वअ'दों को इस बर्ये, इसके वालिदैन, इसके  
 असातिउड और इसके जानदानवालों और  
 इसके मुरब्बीयों के उक में पूरा इरमा.  
 जिन्होंने भी अपनी अवलाद को डिङ्गल में  
 लगा रखा उय उनके लिये डिङ्गल की तकमील  
 को आसान इरमा.

## निकाह के मौके की दुआ

❁ अय अल्लाह! इस डोनेवाले निकाह को कभूल इरमा. मियां—बीवी में भवदतो रहमत पैदा इरमा. दोनों को अक दुसरे के लुकूक की अदाईगी का जयादह से जयादह अहतिमाम नसीब इरमाकर आपस की लक तल्हीयों से ईनकी पूरे—पूरी डिइजत इरमा. नेकी और भलाई के कामों में दोनों को अक दुसरे का मददगार और गुनाह व बुराई के कामों से अक दुसरे की डिइजत का जरीअह बना. इस निकाह को निगाहों और शर्मगाहों की पाकीजगी, और नेक अवलाह के वुजूह में आने

કા ઝરીઅહ બના. દોનોં કી રોઝીયોં મેં ભી  
 બરકત અતા ફરમા. ઓર નિકાહ કી નિસ્બત  
 સે જિતની ભી ખૈર ઓર ભલાઈ નબીએ કરીમ  
 ﷺ ને માંગી ઓર બતલાઈ હંચ, વોહ સબ  
 ઈનકો અતા ફરમા, ઓર જિન શુરૂર ઓર  
 બુરાઈયોંસે નબીએ કરીમ ﷺ ને પનાહ યાહી  
 હંચ ઉન સબસે ઈનકી પૂરી હિકાઝત ફરમા.

مُتَحَدِّثِيكَ اللهُ

કિતાબોં કી દુન્યા સે ...

સુરત શહેર કે ઈદારે “દાહલહમ્દ ઈસ્લામિક રીસર્ચ ઇન્સ્ટીટ્યુટ” કે ઝેરે એહતિમામ અબ તક બહુત સી ગિરાં કદ્ર કિતાબોં છપકર મંઝરે આમ પર આ ચુકી હંચ.

જિનકી તફ્સીલાત નીચે દી ગઈ હય.

નંબર	કિતાબ કા નામ
૧	જદીદ મુઆમલાત કે શરઈ અહકામ
૨	બહારે નુબુવ્વત
૩	બર્મા ઓર આલમી હાલાત
૪	આસાન દર્સે કુર્આન

૧૫ મબાદિયાતે મુસલસલાત

૧૬ બચ્ચત હોનેવાલોં કો હિદાયત

૧૭ મન્જુમહે ઉકૂદે રસ્મુલ મુફ્તી

૧૮ ઈલ્મી વ ઈરફાની શેહપારે

૧૯ તઝકિરહ હઝરત મૌલાના મુફ્તી  
મુસ્લિહુદ્દીન અહમદ બળોદવી સાહબ

૨૦ કસીદ એ હુબ્બે રસૂલ

૨૧ હમારે પ્યારે નબી કેસે થે? (મસ્જિદ કા મેસેજ)

૨૨ મહમૂદુલ મકાતિબ

૨૩ ચાલીસ ઈસ્તિગ્ફાર

## દુઆ એસે માંગે



૫	આઈયે; નમાઝ સહીહ કરે
૬	ચિરાગે સહારનપૂર
૭	દુઆ એસે માંગે
૮	અહ્કલ્લુલ મુબીન ફી ઝિક્રીલ મુજાઝીન
૯	મુફ્તીયાને કિરામ સે રહનુમા ખિતાબ
૧૦	નસીહત ગોશ કુન જાના..
૧૧	અગ્લાતુલ અવામ ફી બાબિલ અહકામ
૧૨	મુખ્તસર સવાનેહ મશાઈખે ચિશત
૧૩	દર્સે ખત્મે બુખારી
૧૪	દર્સે મુસલસલાત; ચંદ અહમ યાદદાશ્તે





# Darul Hamd

Islamic Research Institute



[/DarulHamdSurat](#)

+91 70961 76961